



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 22]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 31, 1975/ज्येष्ठ 10, 1897

No. 22]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 31, 1975/JYAISTHA 10, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए साधारण आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities
(other than the Administrations of Union Territories)

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 मई, 1975

का० आ० 1664.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपराध विज्ञान और न्याय संबंधी विज्ञान संस्थान, (वर्ग I पद) भर्ती नियम, 1973 में संशोधन करने के लिए बताते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का नाम अपराध विज्ञान और न्याय संबंधी विज्ञान (वर्ग I पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1975 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. अपराध विज्ञान और न्याय संबंधी विज्ञान संस्थान (वर्ग I पद) भर्ती नियम, 1973 से उपाबद्ध अनुसूची में प्राध्यापक (विधि) के पद से संबंधित क्रम सं० 4 के सामने—

(i) स्तम्भ 1 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

“प्राध्यापक”

(ii) स्तम्भ 7 में ‘प्राध्यापक’ शीर्षक के अन्तर्गत प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी अर्थात्:—

“(क) क्रमशः विधि समाजविज्ञान/अपराध विज्ञान/अपराधिकविधि में विशेषज्ञता सहित मनोविज्ञान/विसामान्यता का समाजविज्ञान/अपराधिक मनोविज्ञान में क्रमशः मास्टर की उपाधि ;

(ख) संबंधित विषय में एक वर्ष का अध्यापन का अनुभव।

(अन्यथा सुसहित अभ्यर्थियों की दशा में अर्हताएं संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिलनीय)

टिप्पण: वास्तविक अर्हताएं भर्ती के समय उपदर्शित की जाएगी।

[सं० 3/36/74-आई०सी०एफ०एस०/पर्स-1]

पी० के० जी० काईमल, अवसर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 17th May, 1975

S.O. 1664.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Institute of

(1997)

criminology and Forensic Science (Class I Posts) Recruitment Rules 1973, namely :—

(1) These rules may be called the Institute of Criminology and Forensic Science (Class I posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule annexed to the Institute of Criminology and Forensic Science (Class I posts) Recruitment Rules, 1973, in the entries against Sl. No. 4 relating to the post of Lecturer (Law)—

(i) in column 1, for the existing entry the following entry shall be substituted namely :—

“Lectures”

(ii) in column 7, for the entry under the heading ‘Essential’, the following entry shall be substituted, namely :—

“(a) Master's Degree in Law/Sociology/Criminology Psychology with specialisation in Criminal Laws/Sociology of Deviance/Criminal Psychology respectively ;

(b) One years experience of teaching in the subject concerned.

(Qualifications relaxable at the Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).

Note : Actual qualifications will be indicated at the time of recruitment”.

[No. 3/36/74-ICFS/Pess-I]

P. K. G. KAIMAL, Under Secy.

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय

(न्याय विभाग)

नोटिस

नई दिल्ली, 20 मई, 1975

का० प्रा० 1665.—इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटरीज रूल्स), 1956 के नियम 6 के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री जोगिन्दर सिंह अजीज, अधिवक्ता लुधियाना ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन, समस्त लुधियाना जिले में लेख्य प्रमाणक (नोटरी) का काम करने की नियुक्ति के लिये आवेदन-पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियां हों तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के अन्दर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दिये जायें।

[सं० 22/12/73-न्याय]

के० त्यागराजन, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF JUSTICE)

NOTICE

New Delhi, the 20th May, 1975

S.O. 1665.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under

rule 4 of the said Rules, by Shri Joginder Singh, Aziz, Advocate, Ludhiana, for appointment as a Notary to practise in the District of Ludhiana.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/12/73-Jus.]

K. THYAGARAJAN, Competent Authority

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 22 मई, 1975

का० प्रा० 1666.—एकाधिकार एवं निबन्धकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मैसर्स मैरीबॉग एंड कोयल टी एस्टेट्स लिमिटेड के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 918/73 दिनांक 5 नवम्बर, 1973) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[सं० 2/6/75 एम-2]

वेद प्रकाश उप्पल, अवर सचिव

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 22nd May, 1975

S.O. 1666.—In pursuance of sub-section (3) of section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Marybong & Kyel Tea Estates Ltd. under the said Act (certificate of registration No. 918/73 dated the 5th November, 1973).

[F. No. 2/6/75-M. II]

V. P. UPPAL, Under Secy.

भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, 1 मई, 1975

का० प्रा० 1667.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी 1974 में हुये उड़ीसा विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये नयागढ़ निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पूर्ण चन्द्र देव, पो० प्रा० तथा ग्राम कोरापिठ, जिला पुरी (उड़ीसा), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तख्तीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्बन्ध सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण प्रस्तुत करवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री पूर्ण चन्द्र देव को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० उड़ीसा-वि० सं०/62/74]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, the 1st May, 1975

S.O. 1667.—Whereas the Election Commission is satisfied Shri Purna Chandra Deo, P.O. and Village-Korapitha, District Puri (Orissa), a contesting candidate for election to the Orissa Legislative Assembly from Nayagarh constituency held in February, 1974 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Purna Chandra Deo to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-LA/62/74]

क्र० प्रा० 1668.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि करवरी, 1974 में हुये उड़ीसा विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये बालीगुडा (अ० ज० जा०) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लोक नाथ पात्र ग्राम/पो० प्रा० बेलघर, जिला फूलबानी (उड़ीसा) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्दीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी असफलता के लिये कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री लोक नाथ पात्र को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० उड़ीसा-वि० सं० 102/74]

S.O. 1668.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Loknath Patra Village and P. O. Belghar District Phulbani (Orissa), a contesting candidate for election to the Orissa Legislative Assembly from Balliguda (ST) constituency, held in February, 1974 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Loknath Patra to be disqualified for being chosen as,

and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-LA/102/74]

नई दिल्ली, 2 मई, 1975

क्र० प्रा० 1669.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि करवरी, 1974 में हुये उड़ीसा विधान सभा के निर्वाचन के लिये उदयगिरि (अ० ज० जा०) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गौरा चन्द्र प्रधान, ग्राम तथा पो० प्रा० रायकोला, जिला फूलबानी (उड़ीसा) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्दीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री गौरा चन्द्र प्रधान को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० उड़ीसा-वि० सं० 103/74]

New Delhi, the 2nd May, 1975

S.O. 1669.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gaura Chandra Pradhan, Village and P.O. Raikola, District Phulbani (Orissa), a contesting candidate for election to the Orissa Legislative Assembly from Udayagiri (ST) constituency, held in February, 1974 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gaura Chandra Pradhan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-LA/103/74]

नई दिल्ली, 6 मई, 1975

क्र० प्रा० 1670.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 104-सिधिया (अ० जा०) निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार

श्री लक्ष्मण प्रसाद सदा, ग्राम उजुवा, पो० कुशेश्वरस्थान जिला दरभंगा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वर्धन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री लक्ष्मण प्रसाद सदा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि० सं० 104/72(189)]

New Delhi, the 6th May, 1975

S.O. 1670.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Lakshman Prasad Sada, Village Ujuwa, P.O. Kuseswar Asthan, District Darbhanga who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 104-Singhia (SC) constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Lakshman Prasad Sada to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

By order,

[No. BR-LA/104/72(189)]

नई दिल्ली, 15 मई, 1975

क्र० प्रा० 1671.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 13क की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग अरुणाचल प्रदेश संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासन के परामर्श से श्री डी० के० दास, सचिव, गृह तथा सामान्य प्रशासन, अरुणाचल प्रदेश को उसके कार्य भार ग्रहण करने की तारीख से अगले आदेशों तक अरुणाचल प्रदेश संघ राज्य क्षेत्र के लिये मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में एतद्वारा नाम निर्दिष्ट करता है।

[सं० 154/अरुणाचल/75]

ए० एन० सेन, सचिव

New Delhi, the 15th May, 1975

S.O. 1671.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 13A of the Representation of the People Act, 1950, the Election Commission on India, in consultation with the Administration of the Union Territory of Arunachal Pradesh, hereby nominates Shri D. K. Das, Secretary, Home and General Administration, Government of Arunachal Pradesh as the Chief Electoral Officer for the Union Territory of Arunachal Pradesh with effect from the date he takes over charge and until further orders.

[No. 154/Arunachal/75]

A. N. SEN, Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

आयकर

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1975

क्र० प्रा० 1672.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80छ की उपधारा (2)(ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, श्री दुर्गियाना मंदिर अमृतसर को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए पंजाब राज्य में सर्वत्र विख्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[सं० 879 (फा० सं० 176/37/75-आई० टी० ए० आई०)]

बी० बी० श्रीनिवासन, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

(Income-Tax)

New Delhi, the 21st April, 1975

S.O. 1672.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) (b) of Section 80 G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies Shri Durgiana Temple Amritsar to be a place of public worship of renown throughout the State of Punjab for the purposes of the said Section.

[No. 879 (F. No. 176/37/75-IT. AI)]

V. B. SHRINIVASAN, Under Secy.

समाहर्तलिय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

दिनांक 20-7-72 की अधिसूचना सं० 1/72 के साथ संलग्न अनुसूची

का परिशिष्ट

गुन्दूर, 6 जनवरी, 1975

क्र० प्रा० 1673.—दिनांक 10 अगस्त 1974 के भारत के राजपत्र के भाग II के खंड 3 उपखंड (ii) में पृ० सं० 2090 से लेकर 2092 पृ० सं० पर मुद्रित दिनांक 19-4-74 के अनुबन्ध में कुछ मुद्रित होने से रह गया है तथा निम्नलिखित गांवों के नामों में वर्तनी सम्बन्धी गलतियां रह गई हैं। सही नाम नीचे दिये जा रहे हैं।

पृष्ठ संख्या 2190 पर पैरा 2(1) में गांव का नाम "तिरपुरथंक्रम" के स्थान पर "निपुरथंक्रम" पढ़ा जाना चाहिये।

अनुसूची में गलत लिखे गये गांवों के नाम

1	2	3	1	2	3
राजपल की पंक्ति नाम			पंक्ति सं० 10-11	ताना, अन्नवरम	ताना-अन्नवरम
पृष्ठ संख्या 2191	गांव का वह नाम जो कि मुद्रित किया गया है	गांव का सही नाम	पंक्ति सं० 52	सिंगरोला	सिंगरोला
पंक्ति संख्या 8	कटरपडु	कटरपडु	पंक्ति सं० 59-60	मनुमापुरम	हनुमापुरम
पंक्ति संख्या 14	करलापडु	करलापडु	पंक्ति सं० 64	मालावगी	मालेवगु
पंक्ति संख्या 36	सुबरेदोडपलेम	समुद्रारेडिपलेम	5वें स्तम्भ में 12 एरियाज के स्थान पर "12 एयर्स" प्रतिस्थापित किया जाये।		
पंक्ति संख्या 40	बलानाडु	पलनाडु	[सं० V/4/30/67/73-यू० एम० पी०-4]		
पंक्ति संख्या 67	विनुकोनोआतालुक	विनुकोन्डा तालुक	ए० एस० आई० जफर, समाहर्ता		
प० सं० 2192					

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE
GUNTUR

Addendum to Schedule annexed to Notification No. 1/72 dated 20-7-72

Guntur, the 6th January 1975.

S.O. 1673.—There are some spelling mistakes in the names of villages and omissions in the addendum dt. 19-4-1974 printed at the pages from 2090 to 2092 in part-II section 3 sub-section (ii) of Gazette of India dated 10th August, 74. The correct names are given here under:—

In page No. 2190 : In para 2(i) the name of the village 'Tirupuranthankam' to be read as 'Tirupuranthankam'

Mistakes in the names of villages in the Schedule:—

Line No. in Gazette Page No. 2191	Name of the village printed	Correct name of village
1	2	3
Line No. 8	Katrappadu	Katrapadu
Line No. 14	Karalpadu	Karlapadu
Line No. 36	Subbareddipalem	Subbareddipalem
Line No. 40	Balanadu	Palnadu
Line No. 67	Vinukona taluk	Vinukonda taluk
Page No. 2192 :		
Line No. 1011	Tana, Annavaram	Tana-Annavaram
Line No. 52	Singaratta	Singarolla
Line No. 59-60	Manumapuram	Hanumapuram
Line No. 64	Mallavagu	Mallevagu

In column 5 '12 Arcas' to be substituted by "12 Arcas".

[No. V/4/30/67/73-UMP-4]

A. S. I. JAFFAR, Collector

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 17 मई, 1975

का० प्रा० 1674 भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 8 की उपधारा (1) के खंड (क) और उप धारा (4) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, श्री निमल चन्द्र सेनगुप्ता को, उनके कार्यभार संभालने की तिथि से तीन महीने की अवधि के लिए, एतद्वारा भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के पद पर नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 7/2/75-बी०प्रो-1]

एम० जी० बालसुब्रह्मण्यम, अपर सचिव

(Department of Banking)

New Delhi, the 17th May, 1975

S.O. 1674.—In pursuance of clause (a) of sub-section (1) and sub-section (4) of section 8 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Government hereby appoints Shri N. C. Sen Gupta as the Governor of the Reserve Bank of India for a term of three months from the date of his taking charge.

[No. F. 7/2/75-B.O.-I]

M. G. BALASUBRAMANIAN, Additional Secy.

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1975

का० प्रा० 1675 :—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय

सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध पुल्लुपालम, फोर्ट कोचिन में चाटर्ड बैंक द्वारा धृत 6 सेंड भूमि, जिस पर 9 दुकाने बनी हुई हैं और नगरपालिका नं० VIII/320ए से 320एच पड़ता है, के सम्बन्ध में उक्त बैंक पर 4 अक्टूबर, 1975 तक लागू नहीं होंगे।

[सं० 15 (20) बी० प्रो० 3/75]

मे० भा० उसगांवकर, अपर सचिव

New Delhi, the 29th April, 1975

S.O. 1675.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 9 of the said Act shall not apply, till the 4th October, 1975, to the Chartered Bank, in respect of the immovable property of 6 cents of land with nine shop rooms thereon bearing Municipal Nos. VIII/320A to 320H held by it at Pullupalam, Fort Cochin.

[No. 15(20)-B.O. III/75]

M. B. USGAONKAR, Under Secy.

भारतीय रिज़र्व बैंक

मई दिल्ली, 20 मई, 1975

का०प्रा० 1676:—भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में मई, 1975 के 9 दिनांक को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा

दृशू विभाग

देयताएँ	रुपये	रुपये	प्रास्तियाँ	रुपये	रुपये
1	2	3	4	5	6
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट	11,99,70,000		सोने का सिक्का और बुलियन :—		
संचालन में नोट	6595,22,99,000		(क) भारत में रखा हुआ	182,52,58,000	
			(ख) भारत के बाहर रखा हुआ	..	
			विदेशी प्रतिभूतियाँ	121,73,97,000	
जारी किये गये					
कुल नोट		6607,22,69,000			
			जोड़		304,26,55,000
			रुपये का सिक्का		2,58,12,000
			भारत सरकार की रुपया प्रति-		
			भूतियाँ		6300,38,02,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे		
			वाणिज्य-पत्र		..
कुल देयताएँ		6607,22,69,000	कुल प्रास्तियाँ		6607,22,69,000

दिनांक: 14 मई, 1975

एस० जगन्नाथन, गवर्नर

9 मई, 1975 को भारतीय रिज़र्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

देयताएँ	रुपये	प्रास्तियाँ	रुपये
मुफता पूंजी	5,00,00,000	नोट	11,99,70,000
प्रारम्भित निधि	150,00,00,000	रुपये का सिक्का	4,17,000
राष्ट्रीय कृषि निधि		छोटा सिक्का	4,25,000
(दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि	284,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल	
राष्ट्रीय कृषि ऋण		(क) देशी	154,99,70,000
(स्थिरीकरण) निधि	95,00,00,000	(ख) विदेशी	..
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण		(ग) सरकारी खजाना बिल	408,02,66,000
(दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि	265,00,00,000	विदेशों में रखा हुआ बकाया*	522,89,31,000
जमा राशिवा:—		निवेश**	375,54,24,000
(क) सरकारी		ऋण और अधिम:—	
(i) केन्द्रीय सरकार	48,53,33,000	(i) केन्द्रीय सरकार को	..
(ii) राज्य सरकारें	6,67,64,000	(ii) राज्य सरकारों को	328,33,94,000
(ख) बैंक		ऋण और अधिम:—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	533,41,45,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को ×	356,75,14,000
(ii) अनुसूचित राज्य		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को ×	339,83,46,000
सहकारी बैंक	20,93,39,000	(iii) दूसरों को	39,05,70,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य		राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से	
सहकारी बैंक	1,28,08,000	ऋण, अधिम और निवेश	
(iv) अन्य बैंक	84,09,000	(क) ऋण और अधिम:—	
		(i) राज्य सरकारों को	69,97,06,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	13,75,30,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को	..
		(iv) कृषि पुनर्वित्त निगम को	70,70,00,000

देयताएँ	रुपये	प्राप्तियाँ	रुपये
(ग) अन्य	751,15,83,000	(ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम	10,77,46,000
देय बिल	150,07,66,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से	40,22,84,000
अन्य देयताएँ	890,50,23,000	ऋण अग्रिम और निवेश	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम	264,64,56,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिबेंचरों में निवेश	
		अन्य प्राप्तियाँ	194,82,21,000
	रुपये 3202,41,70,000		रुपये 3202,41,70,000

* नकदी, भावधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियाँ शामिल हैं।

** राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

† राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से प्रवर्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों को दिये गये अस्थायी ओवर-ड्राफ्ट शामिल हैं।

× भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 17(4)(ग) के अधीन अनुसूचित बाणिज्य बैंकों को मीयादी बिलों पर अग्रिम दिये गये 201,21,74,00/- रुपये शामिल हैं।

× × राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रवर्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं।

दिनांक : 14 मई, 1975

एस० जगन्नाथन गवर्नर

[स० फा० 10(1)/75-बी०प्रो०-1]

ज० व० मीरचन्दानी, अवर सचिव

RESERVE BANK OF INDIA

S.O. 1676:—An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934, for the week ended the 9th day of May, 1975.

ISSUE DEPARTMENT

Liabilities	Rs.	Rs.	Assets	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department	11,99,70,000		Gold Coin and Bullion :—		
Notes in circulation	6595,22,99,000		(a) Held in India	182,52,58,000	
Total notes issued		6607,22,69,000	(b) Held outside India	..	
			Foreign Securities	121,73,97,000	
			Total		304,26,45,000
			Rupees Coin		2,58,12,000
			Government of India Rupee Securities		6300,38,02,000
			Internal Bills of Exchange and other Commercial paper		..
Total liabilities		6607,22,69,000	Total assets		6607,22,69,000

Dated the 14th day of May, 1975.

S. JAGANNATHAN, Governor

C.W. MIRCHANDANI

Under Secy.

New Delhi, the 20th May, 1975

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 9th May, 1975

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Capital Paid Up	5,00,00,000	Notes	11,99,70,000
		Rupee Coin	4,17,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Small Coin	4,25,000
		Bills Purchased and Discounted:—	
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	284,00,00,000	(a) Internal	154,99,70,000
		(b) External	
		(c) Government Treasury Bills	408,02,66,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	95,00,00,000	Balances Held Abroad*	522,89,31,000
		Investments**	375,54,24,000
		Loans and Advances to:—	
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	265,00,00,000	(i) Central Government	..
		(ii) State Governments@	328,33,94,000
		Loans and Advances to:—	
		(i) Scheduled Commercial Banks +	356,75,14,000
Deposits:—		(ii) State Co-operative Banks + +	339,83,46,000
(a) Government		(iii) Others	39,05,70,000
(i) Central Government	48,53,33,000	Loans, Advances and Investments from National	
(ii) State Governments	6,67,64,000	Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to:—	
(b) Banks		(i) State Governments	69,97,06,000
(i) Scheduled Commercial Banks	533,41,45,000	(ii) State Co-operative Banks	13,75,30,000
		(iii) Central Land Mortgage Banks	..
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	20,93,39,000	(iv) Agricultural Refinance Corporation	70,70,00,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,28,08,000	(b) Investment in Central Linn Mortgage Bank	
		Debentures	
(iv) Other Banks	84,09,000	Loans and Advances from National	10,77,46,000
(c) Others	751,15,83,000	Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
		Loans and Advances to State Co-operative Banks	40,22,84,000
Bills Payable	150,07,66,000	Loans, Advances and Investments from National	
		Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	264,64,56,000
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the	..
Other Liabilities	890,50,23,000	Development Bank	
		Other Assets	194,82,21,000
Rupees	3202,41,70,000	Rupees	3202,41,70,000

*Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities

**Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

+ Includes Rs. 201,21,74,000/- advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4) (c) of the Reserve Bank of India Act.

+ + Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

Dated the 14th day of May 1975.

S. JAGANNATHAN, Governor
[No. F. 10(1)/75—B.O.-I]
C.W: MIRCHANDANI, Under Secy.

भारतीय रिजर्व बैंक

नई दिल्ली, 24 मई, 1975

कां० प्रा० 1677:—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में मई 1975 के 16 दिनांक को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा इस विभाग

देयताएं	रुपये	रुपये	प्राप्तियां	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट	41,31,18,000		सोने का सिक्का धोर कुलियन:—		
			(क) भारत में रखा हुआ	182,52,58,000	
संचलन में नोट	6649,09,47,000		(ख) भारत के बाहर रखा हुआ	..	
			विदेशी प्रतिभूतियां	121,73,97,000	
			जोड़		304,26,55,000
			रुपये का सिक्का		76,45,000
जारी किये गये कुल नोट		6690,40,65,000	भारत सरकार की रुपया प्रति-		
			भूतियां		6385,37,65,000
			देशी विनियम बिल और दूसरे		
			वाणिज्य-पत्र		..
कुल देयताएं		6690,40,65,000	कुल प्राप्तियां		6690,40,65,000

दिनांक : 21 मई 1975

एन० सी० सेन गुप्ता, गवर्नर

16 मई, 1975 को भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

देयताएं	रुपये	प्राप्तियां	रुपये
शुक्ता पूंजी	5,00,00,000	नोट	41,31,18,000
भारक्षित निधि	150,00,00,000	रुपये का सिक्का	3,72,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण		छोटा सिक्का	4,50,000
(दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि	284,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल	
राष्ट्रीय कृषि ऋण		(क) देशी	151,17,73,000
(स्थिरीकरण) निधि	95,00,00,000	(ख) विदेशी	..
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण		(ग) सरकारी खजाना बिल	403,17,21,000
(दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि	265,00,00,000	विदेशों में रखा हुआ ऋण*	504,75,09,000
जमाराशियां :—		निवेश **	326,70,03,000
(क) सरकारी		ऋण और अग्रिम:—	
(i) केन्द्रीय सरकार	43,49,68,000	(i) केन्द्रीय सरकार को	..
(ii) राज्य सरकारें	7,55,77,000	(ii) राज्य सरकारों को @	326,70,97,000
(ख) बैंक		ऋण और अग्रिम:—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	517,57,10,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को ×	383,77,55,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	17,27,38,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को × ×	333,99,39,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	1,48,35,000	(iii) दूसरों को	39,83,20,000
(iv) अन्य बैंक	69,28,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण,	
		अग्रिम और निवेश	
		(क) ऋण और अग्रिम:—	
		(i) राज्य सरकारों को	69,97,06,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	13,64,44,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबंधक बैंकों को	..
		(iv) कृषि पुनर्वित्त निगम को	70,70,00,000

देयताएं	रुपये	प्राप्तिर्वा	रुपये
(ग) अन्य	761,30,68,000	(ख) केन्द्रीय भूमिबंधक बैंकों के डिपोजिटों में निवेश राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम	10,77,46,000
देय बिल	159,85,75,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम	43,86,55,000
अन्य देयताएं	906,75,13,000	राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम	264,64,56,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिपोजिटों में निवेश	
		अन्य प्राप्तिर्वा	229,88,46,000
रुपये	3214,99,10,000	रुपये	3214,99,10,000

*नकदी, आवधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियां शामिल हैं।

**राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

@राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से प्रवृत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों को किये गये अस्थायी अधिभार शामिल हैं।

× भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 17(4)(ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की मीयादी बिलों पर अग्रिम किये गये 203,80,00,000 रुपये शामिल हैं।

××राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रवृत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं।

ख० घ० मीरचन्दानी, प्रवर सचिव
[सं फा० 10(1)/75-बी० ओ० I]
एन० सी० सेन गुप्ता, गवर्नर

दिनांक : 21 मई, 1975

RESERVE BANK OF INDIA

New Delhi, the 24th May, 1975

S. O. 1677.—An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934, for the week ended the 16th day of May, 1975

ISSUE DEPARTMENT

Liabilities	Rupees	Rupees	Assets	Rupees	Rupees
Notes held in the Banking Department	41,31,18,000		Gold Coin and Bullion:—		
Notes in circulation	6649,09,47,000		(a) Held in India	182,52,58,000	
Total notes issued		6690,40,65,000	(b) Held outside India		
			Foreign Securities	121,73,97,000	
			Total		304,26,55,000
			Rupee Coin		76,45,000
			Government of India Rs. Securities		6385,37,65,000
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper		
Total Liabilities		6690,40,65,000	Total Assets		6690,40,65,000

C. W. MIRCHANDANI, Under secy.

Dated the 21st day of May, 1975

[No. F. 10(1)/75-B.O.I.]

N.C. SEN GUPTA, Governor

(Department of Banking)

New Delhi, the 24th May, 1975

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 16th May 1975

Liabilities	Rupees	Assets	Rupees
Capital Paid up	5,00,00,000	Notes	41,31,18,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Rupee Coin	3,72,000
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	284,00,00,000	Small Coin	4,50,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	95,00,00,000	Bills Purchased and Discounted:—	
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	265,00,00,000	(a) Internal	151,17,73,000
Deposits:—		(b) External
(a) Government:—		(c) Government Treasury Bills	403,17,21,000
(i) Central Government	43,49,68,000	Balances Held Abroad*	504,75,09,000
(ii) State Governments	7,55,77,000	Investments**	326,70,03,000
(b) Banks:—		Loans and Advances to:—	
(i) Scheduled Commercial Banks	517,57,10,000	(i) Central Governments
(ii) Scheduled State Co- operative Banks	17,27,38,000	(ii) State Governments@	326,70,97,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,48,35,000	Loans and Advances to:—	
(iv) Other Banks	69,28,000	(i) Scheduled Commercial Banks†	383,77,55,000
(c) Others	761,30,66,000	(ii) State Co-operative Banks‡	333,99,39,000
Bills Payable	159,85,75,000	(iii) Others	39,83,20,000
Other Liabilities	906,75,13,000	Loans, Advances and Investments from National Agri- cultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to:—	
		(i) State Governments	69,97,06,000
		(ii) State Co-operative Banks	13,64,44,000
		(iii) Central Land Mortgage Banks
		(iv) Agricultural Refinance Corporation	70,70,00,000
		(b) Investment in Central Land Mortgage Bank De- bentures Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	10,77,46,000
		Loans and Advances to State Co-operative Banks	43,86,55,000
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	264,64,56,000
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank
		Other Assets	229,88,46,000
Rupees	3214,99,10,000	Rupees	3214,99,10,000

*Includes Cash Fixed Deposits and Short term securities

**Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long term Operations) Fund, but including temporary over-drafts to State Governments.

†Includes Rs. 203,80,00,000 advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17 (4) (c) of the Reserve Bank of India Act.

‡Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

Dated the 21st day of May, 1975

[No. F.10(1)/75-BOI]

N. C. SEN GUPTA, Governor

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय,

आदेश

नई दिल्ली, 17 मई, 1975

कां०आ० 1678.—सर्वश्री टाटा कैमिकल्स लि० बम्बई हाउस, होमी मोदी स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई को यू० के०/जापान/यू० एम०ए० से उपकरणों के आयात के लिए 26.60 लाख रुपए का एक आयात लाइसेंस सं० पी०/सी०/2066614/एन०/आई० थो०/49/एन०/35-36/सी० जी०-3 दिनांक 24-12-1973 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल (लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रति) किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए बिना और उस का बिल्कुल उपयोग किए बिना ही खो गया/अस्थानस्थ हो गया है। इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक जपयपत्र दाखिल किया है।

2. मैं, तदनुसार संतुष्ट हूँ कि उक्त लाइसेंस की मूल प्रति (सीमा-शुल्क प्रति) खो गई/अस्थानस्थ हो गई है। इसलिए यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश/1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 (सी० सी०) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर सर्वश्री टाटा कैमिकल्स लि०, बम्बई, को जारी किए लाइसेंस सं० पी०/सी०/2066614/एन०/आई०/सी०/49/एन०/35-36/सी० जी०-3, दिनांक 24-12-1973 को (सीमाशुल्क प्रति मात्र) एतद्वारा रद्द किया जाता है।

[सं० 19/4/73-74/सी०जी०-3/654]

नन्द कुमार, संयुक्त नियंत्रक, आयात-निर्यात

इसे मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

ORDER

New Delhi, the 17th May, 1975

S.O. 1678.—M/s. Tata Chemicals Ltd., Bombay House, Homi Mody Street Fort, Bombay were granted an import

licence No. P/C/2066614/IB/49/H/35-36/CG. III dated 24-12-1973 for Rs. 20.60 lakhs for import of equipments from UK/Japan/USA. They have applied for a duplicate Custom copy of the said licence on the ground that the original licence (Customs copy of the licence) has been lost/misplaced without having been registered with any Customs Authority and utilised at all. In support of this contention, the applicant has filed an affidavit.

2. I am accordingly satisfied that the original licence (Custom copy) of the said licence has been lost/misplaced. Therefore, in exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Imports (Control) order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said licence No. P/C/2066614/S/IB/49/H/35-36/CG. III, dated 24-12-1973 (Customs copy only) issued to M/s. Tata Chemicals Ltd., Bombay is hereby cancelled.

[No. 19/4/73-74/CG. III/654]

H. L. MANSUKHANI, Dy. Chief Controller
for Chief Controller I. & E.

प्रादेश

कलकत्ता, 16 मई, 1975

का० प्रा० 1675.—सर्वश्री मदन'स वाइन स्टोर्स, 3 चित्तरंजन एवेन्यु, कलकत्ता-13 को अप्रैल-मार्च, 1974 अवधि के लिए निम्नलिखित अनुसार आयात लाइसेंस जारी किया गया था:—

लाइसेंस सं० और दिनांक	विवरण	मूल्य
पी०/ई०/0240292/सी०/एक्स०/एक्स०/48/सी०/36-37, दिनांक 16-8-73	अप्रैल-मार्च, 1974 अवधि की आयात नीति पुस्तक के अनुसार शराब	1250 रुपये (एक हजार दो सौ पचास रुपये मात्र)

उन्होंने उपर्युक्त आयात लाइसेंस के पूर्ण मूल्य 1250 रुपये के लिए सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुमति के लिए आवेदन किया है क्योंकि उन्होंने इस बात की पुष्टि की है कि उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति सीमाशुल्क कार्यालय, कलकत्ता में पंजीकृत करने और पूर्ण-रूपेण उपयोग करने के बाद खो गई है। कुल घनराशि जिसके लिए मूल प्रति जारी की गई थी 1250 रुपये है और मूल प्रति पूर्णरूपेण उपयोग कर ली गई थी। अब सीमाशुल्क निकासी प्रति की आवश्यकता अप्रैल-मार्च, 1975 अवधि के लिए आवृत्ति प्रचालन के लिए है।

2. इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने महानगर मजिस्ट्रेट द्वारा विधिबद्ध साध्यांकित सरकारी कारगज पर एक शपथ पत्र दाखिल किया है।

3. मैं संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस सं० पी०/ई०/0240292/सी०/एक्स०/एक्स०/48/सी०/36-37 दिनांक 16-8-73 की सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई। प्रस्थानस्थ हो गई है और निवेश देता हूँ कि 1250 रुपये के पूर्ण मूल्य के लिए इसकी सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुमति आवेदक को जारी की जानी चाहिए। उपर्युक्त आयात लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति 1250 रुपये की घनराशि के लिए रद्द की जाती है।

[सं० ई० आई०/15620/10/ए० एम० 74/33]

एस० के० साहा, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

Calcutta, the 16th May, 1975

S.O. 1679.—M/s. Madan's Wine Stores, 3, Chittaranjan Avenue, Calcutta-13 were issued import licence for the period April-March 1974 as under:—

Licence No. and date	Description	Value
P/E/0240292/c/xx/48/c/36 37 dt. 16-8-73	Wines as per Import Policy Book for A-M'74 period	Rs. 1250/- (Rupees one thousand two hundred and fifty only)

They have applied for duplicate customs purposes copy of the above import licence for the full value of Rs. 1250/- since they have confirmed that the Customs Purposes copy of the above licences has been lost having been registered with Customs House Calcutta and utilised fully. The total amount for which the original copy was issued is Rs. 1250/- and the original copy was utilised in full. The duplicate Customs Purposes copy now required for Repeat operation for AM' 75 period.

2. In support of this contention the applicant has filed an affidavit on a stamped paper duly attested by Metropolitan Magistrate, Calcutta.

3. I am satisfied that the Customs purpose copy of import licence No. P/E/0240292/c/xx/48/c/36-37 dt. 16-8-73 has been lost/misplaced and direct that the duplicate customs purposes copy of the import licence for the full value of Rs. 1250/- should be issued to the applicant. The Customs Purpose copy of the above import licence is cancelled for the amount of Rs. 1250/-.

[No. EI/15620/10/AM'74/33]
S. K. SAHA, Dy. Chief Controller

नई दिल्ली, 20 मई, 1975

का० प्रा० 1680.—धोती (प्रतिरिक्त उत्पादन शुल्क) अधिनियम 1953 (1953 का 39) की धारा 3 की उपधारा (1) के स्पष्टीकरण 1 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने वाले केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा मैसर्स माधवनगर काटन मिल्स, माधवनगर के सम्बन्ध में 30 सितम्बर, 1975 को समाप्त होने वाली तिमाही और बाव की प्रत्येक तिमाही के लिये धोतियों 71 अनुमेय कोटा 1,12,580 (एक लाख बारह हजार पांच सौ अस्सी) मीटर निर्धारित करती है।

[एफ० सं० 17013/15/72-टैक्स I]

दौलत राम, धवर सचिव

New Delhi, the 20th May, 1975

S.O. 1680.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Explanation 1 to sub-section (1) of section 3 of the Dhooties (Additional Excise Duty) Act, 1953, (39 of 1953), the Central Government hereby fixes the permissible quota of Dhooties for the quarter ending with the 30th September, 1975, and for every subsequent quarter in respect of M/s. Madhavnagar Cotton Mills, Madhavnagar to be 1,12,580 (one lakh twelve thousand five hundred and eighty) metres.

[File No. 17013/15/72-Tax I]

DAULAT RAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 मई, 1975

का० प्रा० 1681.—शक्ति प्राप्त पम्प निर्यात (क्यालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1967 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० प्रा० 1516, ता० 24 अप्रैल, 1968 को प्रसिद्द करने हुए, नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ (2) में वर्णित व्यक्तियों को, उसके स्तम्भ (1) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित क्षेत्रों में निरीक्षण करने वाले निरीक्षण अधिकरणों के विनिश्चय के विरुद्ध उक्त नियमों के अधीन धोतियों को सुनवाई के प्रयोजन के लिए, विशेषज्ञों के पैनल के रूप में एतद्वारा नियुक्त करती है;

परन्तु यह कि उक्त पैनलों में से कोई सदस्य जब किसी अपील की विषय वस्तु में वैयक्तिक रूप से हितबद्ध हो तो वह उस अपील से संबंधित कार्यवाहियों में भाग नहीं लेगा।

सारणी	1	2
प्राधिकरण, जिसके विनिर्देश्य के विरुद्ध अपील हो सकती है।	उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और काश्मीर राज्यों तथा दिल्ली एवं चंडीगढ़ के संघ राज्य क्षेत्रों में निरीक्षण करने वाला नियमित निरीक्षण अधिकरण-दिल्ली	1. निरीक्षण निदेशक (पदेन) उत्तरी विस्तार क्षेत्र, संभरण एवं निपटान महानिदेशालय, जामनगर हाऊस, नई दिल्ली अध्यक्ष
असम, बिहार, नागालैंड, उड़ीसा, पं० बंगाल, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश राज्यों तथा मिजोरम एवं अंडमान और निकोबार द्वीपों, संघ राज्य क्षेत्रों में निरीक्षण करने वाला नियमित निरीक्षण अधिकरण-कलकत्ता	1. निरीक्षण निदेशक (पदेन) कलकत्ता निरीक्षण क्षेत्र, संभरण एवं निपटान महानिदेशालय, 1, गणेश चन्द्र एवेन्यू, कलकत्ता-13 2. जानस्टन पप्पस (भा०) लि०, 2, फेयरली प्लेस, कलकत्ता-700001 3. इंडियन नेशनल डीज़ल इंजिन कं० लि०, पी०/61-बी, सर्कुलर गार्डन-रोड रोड, कलकत्ता-700043 4. ब्रिटिश इलेक्ट्रीकल एंड पप्पस (प्रा० लि०, 4, बी०बी०डी० बाग ईस्ट, पी० घा० बाक्स नं० 2550 कलकत्ता-700001	2. हीरो सायकिल इंडस्ट्रीज. 698, इंडस्ट्रियल एरिया "बी" सुधियाना-3 3. किलोस्कर ब्रदर्स लि०, वेवास (म०प्र०) 4. लक्ष्मीरतन इंजीनियरिंग वर्क्स लि० इंडस्ट्रियल एरिया नं० 1, फरीदाबाद (हरियाणा)
महाराष्ट्र, गुजरात राज्यों एवं गोवा, दमन, दीऊ, दादरा तथा नगर हवेली के संघ राज्य क्षेत्रों में निरीक्षण करने वाला नियमित निरीक्षण अधिकरण मुम्बई	गैर सदस्य संयोजक संयुक्त निदेशक (पदेन), नियमित निरीक्षण परिषद्, 14/1-बी, एनरा स्ट्रीट सातवां तल, कलकत्ता 1 1. निरीक्षण निदेशक (पदेन), बम्बई निरीक्षण क्षेत्र, संभरण एवं निपटान महानिदेशालय, प्रायकर भवन एनेक्सी न्यू मैरीन लाईन्स, मुम्बई अध्यक्ष 2. ज्योति लि०, इंडस्ट्रियल एरिया, डाकघर कैमिकल इंडस्ट्रीज, बड़ीवा-3 3. डोर झालिवर इन्टरनेशनल, 16, स्वीन्स रोड, एस्टेट, मुम्बई-1 4. किलोस्कर ब्रदर्स लि०, उद्योग भवन, तिलक रोड, पूना-411002 गैर सदस्य संयोजक संयुक्त निदेशक (पदेन) नियमित निरीक्षण परिषद्, "अमन चैम्बर्स", 113 महर्षि कर्वे रोड, मुम्बई-1	गैर सदस्य संयोजक संयुक्त निदेशक (पदेन) नियमित निरीक्षण परिषद्, 13/37 प० बि० क्षेत्र, प्राय समाज रोड, नई दिल्ली-5 1. निरीक्षण निदेशक (पदेन) मद्रास निरीक्षण क्षेत्र, संभरण एवं निपटान महानिदेशालय 36, हैडोज रोड, मद्रास-6 अध्यक्ष 2. हिब्लेम इंडस्ट्रीज (प्रा०) लि०, 5 एवं 6, इंडस्ट्रियल एस्टेट, गिण्डी, मद्रास-32 3. पी०एस०जी० इंडस्ट्रियल इन्सटीट्यूट, पीलमेडु, कोयम्बतूर - 641004 4. वण्ड्यपानी फाउंड्री (प्रा०) लि० पी० बा० सं० 1327, पादपनाईक-पालयन, कोयम्बतूर-641018 गैर सदस्य संयोजक संयुक्त निदेशक (पदेन) नियमित निरीक्षण परिषद्, मनोहर बिल्डिंग महाराष्ट्र गांधी रोड, कोचीन-11
	2. पैनल का कोरम तीन का होगा।	[सं० 6(7) 74-ई०आई०एड ई०पी०] के० वी० बालसुब्रह्मण्यम, उपनिदेशक

New Delhi, the 23rd May, 1975

S.O. 1681.—In pursuance of rule 8 of the Export of Power Driven Pumps (Quality Control and Inspection) Rules, 1967, the Central Government in supersession of the Notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 1516 dated the 24th April, 1968 hereby appoints the persons mentioned in column (2) of the Table given below as the panel of experts for the purpose of hearing appeals under the said rule against the decision of the Export Inspection Agencies carrying out inspection in the areas mentioned in the corresponding entry in column (1) thereof :

Provided that where a member of any of the said panels is personally interested in the subject matter of any appeal, he shall not take part in the proceedings relating to that appeal.

THE TABLE

Authority against whose decision appeal lies	Persons constituting the panel of the experts to which appeal lies
(1)	(2)
Export Inspection Agency Calcutta carrying out inspection in the areas covered by the States of Assam, Bihar, Nagaland, Orissa, West Bengal, Meghalaya, Manipur, Tripura, Arunachal Pradesh and the Union Territories of Mizoram and the Andaman & Nicobar Islands.	<ol style="list-style-type: none"> 1. Director of Inspection (Ex-officio) Calcutta Inspection Circle Directorate General of Supplies & Disposals, 1, Ganesh Ch. Avenue, Calcutta-13.Chairman 2. Johnston Pumps (I) Ltd., 2, Fairlie Place, Calcutta-700001. 3. Indian National Diesel Engine Co. Ltd., P/61-B, Circular Garden Reach Rd., Calcutta-700043. 4. British Electrical & Pumps (P) Ltd., 4, B.B.D. Bag East P.O. Box No. 2550, Calcutta-700031. <p>NON-MEMBER CONVENER</p> <p>Joint Director, (Ex-officio) Export Inspection Council, 14/1-B, Ezra Street (7th floor), Calcutta-1.</p>
Export Inspection Agency-Bombay carrying out inspection in the areas covered by the States of Maharashtra, Gujarat and Union territories of Goa, Daman, Diu, Dadra and Nagar Haveli.	<ol style="list-style-type: none"> 1. Director of Inspection (Ex-officio) Bombay Inspection Circle, Directorate General of Supplies & Disposals, Aayakar Bhavan Annexe, New Marine Lines, Bombay-Chairman 2. Jyoti Ltd., Industrial Area, P.O. Chemical Industries, Baroda-3. 3. Door Oliver International, 16, Queens Road Estate, Bombay-1. 4. Kirloskar Brothers Ltd., Udyog Bhavan, Tilak Road, Poona-411002. <p>NON-MEMBER CONVENER</p> <p>Joint Director (Ex-officio), Export Inspection Council, 'Aman Chambers' 113, Maharshi Karve Road, Bombay-4.</p>
Export Inspection Agency-Delhi carrying out inspection in the areas covered by the States of Uttar Pradesh, Rajasthan, Madhya Pradesh, Punjab, Haryana, Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir and Union Territories of Delhi and Chandigarh.	<ol style="list-style-type: none"> 1. Director of Inspection (Ex-officio) Northern Inspection Circle, Directorate General of Supplies & Disposals, Jamnagar House, New DelhiChairman 2. Hero Cycles Industries, 698, Industrial Area 'B', Ludhiana-3. 3. Kirloskar Brothers Ltd., Dewas (M.P.) 4. Lakshmiratan Engg. Works Ltd., Industrial Area No. 1, Faridabad (Haryana). <p>NON-MEMBER CONVENER</p> <p>Joint Director (Ex-officio), Export Inspection Council, 13/37, W.E.A. Arya Samaj Road, New Delhi-5.</p>
Export Inspection Agency, Madras and Cochin Carrying out inspection in the areas covered by the States of Tamil Nadu Andhra Pradesh, Kerala, Karnataka and Union Territories of Laccadives.	<ol style="list-style-type: none"> 1. Director of Inspection (Ex-officio) Madras Inspection Circle, Directorate General of Supplies & Disposals, 36, Haddows Road, Madras-6Chairman 2. Hivem Industries (P) Ltd., 5 & 6, Industrial Estate, Guindy, Madras-32. 3. PSG Industrial Institute, Peelamadur, Coimbatore-641004. 4. Dhandayuthapani Foundry (P) Ltd., Post Box No. 1327, Pappanaickenpalayam, Coimbatore-641018. <p>NON-MEMBER CONVENER</p> <p>Joint Director (Ex-officio), Export Inspection Council, Manohar Buildings, Mahatma Gandhi Road, Cochin-11.</p>

2. The quorum of the panel shall be three.

[No. 6(7)/74-EI&EP]
K. V. BALASUBRAMANIAM,
Dy. Director

उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(भारी उद्योग विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1975

का० भा० 1682.—उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवम् विकास परिषद् (कार्यविधि) नियम, 1952 के नियम 2, 4 और 5 के साथ पढ़ते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को भारत सरकार के उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) के आदेश सं० का० भा०/आई डी भार ए/6/5 दिनांक 12 फरवरी, 1975 के द्वारा पुनर्गठित तथा स्थापित ऊर्जा जनित्रण पारेषण तथा वितरण करने की (बरेलू काम में घाने वाले मोटरों तथा पैनल यंत्रों को छोड़कर) बिजली की

मोटों तथा मशीनों और उपकरणों के निर्माण अथवा उत्पादनरत भारी बैलूत उद्योगों के लिए अनुसूचित उद्योगों की विकास परिषद् का सदस्य नियुक्त करती है :—

श्री बी० एल० नागर,
महामंत्री,
एच० ई० मजदूर, ट्रेड यूनियन
भार० बी० आई० 133-ए, रेलवे काबोनी,
भोपाल।

2. केन्द्रीय सरकार यह भी निदेश देती है कि उक्त आदेश में निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा :—

क्रम संख्या 30 तथा उसकी संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्न-लिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

एच० ई० मजदूर ट्रेड यूनियन,
आर० बी० आई० 133-ए, रेलवे कालोनी,
भोपाल।"

[सं० ई० ई० आई०-19(40)/74]
सी० एन० सुब्रह्मण्यम्, अवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Heavy Industry)

ORDER

New Delhi, the 8th April, 1975

S.O. 1682.—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) read with Rules 2, 4 & 5 of the Development Councils (Procedural) Rules, 1951, the Central Government hereby appoints the following person to be a member of the Development Councils for Heavy Electrical Industries for Scheduled Industries engaged in the manufacture of production of electric motors and machinery and equipment for the generation, transmission and distribution of electric

energy (excluding house service meters and panel instruments) which was reconstituted and established by Order No. S. O./IDRA/6/5 dated the 12th February, 1975 of the Govt. of India, Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Heavy Industry) :—

Shri B. L. Nagar, General Secretary,
H.E. Mazdoor Trade Union,
RBI 133 A, Railway Colony, Bhopal.

2. The Central Government also directs that the followings amendment shall be made in said Order :—

For serial No. 30 and entries relating thereto the following serial number and entries shall be substituted, namely :—

"30. Shri B. L. Nagar, General Secretary,
H. E. Mazdoor Trade Union,
R. B. I.—133 A. Railway Colony,
Bhopal."

[No. EEI-19(40)/74]
C. N. SUBRAMANIAN, Under Secy.

(भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली 20 मई, 1975

क्रा० प्रा० 1683.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उक्त विनियम (3) के उपविनियम (1) के अनुसार प्राप्त अधिकारों के अधीन यहाँ अनुसूची में दिए भारतीय मानकों के संशोधन जारी किए गए हैं:—

अनुसूची

क्रम संशोधित भारतीय मानक की पद सं० संख्या और शीर्षक	जिस राजपत्र में भारतीय मानक के तैयार होने की सूचना छपी थी, उसकी एस ओ संख्या और दिनांक	संशोधित मानक की संख्या और दिनांक	संशोधन का संक्षिप्त विवरण	संशोधन लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. IS : 193-1966 नरम टाँके की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	एसओ 913 दिनांक 18 मार्च 1967	संख्या 2 मई 1973	सारणी 1 का संशोधन किया गया है	1 मई 1973
2. IS : 226-1969 संरचना इस्पात (मानक किस्म) की विशिष्टि (चतुर्थ पुनरीक्षण)	एसओ 639 दिनांक 21 फरवरी 1970	संख्या 1 मार्च 1973	(पृष्ठ 12, खंड 14.3) इस खंड को हटाकर बाक के खंडों की क्रम संख्या ठीक कर लीजिए।	1 मई 1973
3. IS : 321-1964 निरोक्ष अलको-हल की विशिष्टि (पुनरीक्षित)।	एसओ 4120 दिनांक 5 दिसम्बर 1964	संख्या 1 मई 1973	सारणी 1 के प्रन्त में नया खण्ड 4.3 जोड़ा गया है।	1 मई 1973
4. IS : 398-1961 शिरोपरि पावर प्रेषण कार्य के लिए सख्त खिंचे लड़वार एलुमिनियम और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम बालकों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)।	एसओ 417 दिनांक 10 फरवरी 1962	संख्या 5 मई 1973	सारणी 4 का संशोधन किया गया है।	1 मई 1973
5. IS : 516-1959 कंक्रीट की सामग्र्य निकालने की परीक्षण पद्धतियाँ।	एसओ 485 दिनांक 27 फरवरी 1960	संख्या 1 मई 1973	(1) खण्ड 2.11.2, 10.4 और 10.6.1 का संशोधन किया गया है, और (2) खण्ड 10.2 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।	1 मई 1973
6. IS : 537-1967 टारपीन शुद्ध नाइट्रीकरण ग्रेड की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)।	एसओ 287 दिनांक 20 जनवरी 1968	संख्या 2 मई 1973	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1 मई 1973

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
7. IS: 636-1962 अग्निशमक होज की विशिष्टि (रबड़ के अस्तर और बुने जैकेट वाले (पुनरीक्षित)।	एस ओ 1683 दिनांक 22 जून 1963	*संख्या 1 मई 1973	खण्ड 3.1, 14.1 और परिशिष्ट 'ए' के स्थान पर नए खण्ड और परिशिष्ट जोड़े गए हैं।	1 मई 1973	
8. IS: 903-1965 अग्नि शामक होज के निकास कपलिंग, शाखा पाइप, टोंटियों और टोंटियों के पावों की विशिष्टि (पुनरीक्षित)।	एस ओ 944 दिनांक 12 फरवरी 1966	संख्या 2 मई 1973	आकृति 2 और 3 के स्थान पर नई आकृतियां दी गई हैं।	1 मार्च 1973	
9. IS: 961-1962 संरचना इत्याद (उच्च तनाव) की विशिष्टि (पुनरीक्षित)।	एस ओ 415 दिनांक 1 फरवरी 1964	संख्या 3 मार्च 1973	(पृष्ठ 13 खण्ड 15.3)--इस खण्ड को हटाकर बाव के खण्डों की क्रम संख्या ठीक कर दी गई है।	1 मार्च 1973	
10. IS: 1200 (भाग 11)-1971 इमारतों और सिविल इंजीनियरी कार्यों की मापन पद्धति: भाग 11 पटरियां और फर्श पर फिनिश देना (दूसरा पुनरीक्षण)।	—	सं० 1 मई 1973	(1) खण्ड 3.1 (एक) और खण्ड 4.1 (बी) के अन्त में नया मद क्रमशः (जी) और (एच) जोड़े गए हैं, और (2) खण्ड 3.3 के बाद नया खण्ड 3.3.1* जोड़ा गया है।	1 मई 1973	
11. SI: 1200 (भाग 13)-1970 इमारती और सिविल इंजीनियरी कार्यों की मापन पद्धति: भाग 3 सफ़ेदी, रंगाई डिस्टेंपर करना तथा अन्य फिनिश देना (दूसरा पुनरीक्षण)।	एस ओ 3015 दिनांक 14 अगस्त 1971	संख्या 1 मई 1973	(पृष्ठ 8, खण्ड 3.2 पंक्ति 2) 'मीटर' के स्थान पर 'बग मीटर' कर लीजिए।	1 मई 1973	
12. IS: 1350 (भाग 2)-1970 कोयला और कोक की परीक्षण पद्धतियां: भाग 2 ऊष्मीय माप ज्ञात करना। (पहला पुनरीक्षण)	एस ओ 1635 दिनांक 8 जुलाई 1972	संख्या 1 मई 1973	(1) खण्ड 2.3 (बी) का संशोधन करके खण्ड 2.3 (ए) और 2.3 (सी) की क्रम संख्या बदल दी गई है और (2) खण्ड 2.3 (बी) और 2.3 (सी) को हटा दिया गया है।	1 मई 1973	
13. IS: 1376-1968 वायुयान कार्यों में सिलाई के सूती धागों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)।	एस ओ 3961 दिनांक 9 नवम्बर 1968	संख्या 3 मई 1973	खण्ड 4.1 और सारणी 1 के स्थान पर नए खण्ड और सारणी दिए गए हैं।	1 मई 1973	
14. IS: 1538-1969 जल, गैस और मल निकास कार्यों के दाब पाइपों के डलवां लोहे की फिटिंग की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)।	एस ओ 3305 दिनांक 21 अक्टूबर 1972	संख्या 1 मई 1973	सारणी 15 का संशोधन किया गया है।	1 मई 1973	
15. IS: 1651-1970 सीसा अम्ल वाली अचल सेल और बैटरियां (नली की घनात्मक प्लेट वाली) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)।	—	संख्या 1 मई 1973	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1 मई 1973	
16. IS: 120-1969 सिलाई सूती धागे की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)।	—	संख्या 1 अप्रैल 1973	यह संशोधन मुख्य सैनिक विस्फोट निरीक्षणालय के कहने पर हथियार और फीजी सामान के निर्माण के लिए प्रयुक्त एक अन्य प्रकार के धागे और कुछ विशेष प्रकार की फिनिश वाले धागे मानक में सम्मिलित करने के उद्देश्य से जारी किया जा रहा है।	1 अप्रैल 1973	
17. IS: 1724-1971 रेबेथ तकियों के लिए ताने के लकड़ी के बाबिन की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)।	एस ओ 1549 दिनांक 2 जून 1973	संख्या 1 मार्च 1973	(पृष्ठ 9, खण्ड 7.1.1.1 पंक्ति 1)-- "Otherwise" के स्थान पर 'and otherwise 10 sets shall be tested' कर लीजिए।	1 मार्च 1973	

*भा मा संस्था प्रमाणन चिह्न योजना कार्यों के लिए यह संशोधन 1 सितम्बर 1973 से लागू होगा।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
18. IS : 1729-1964 बालू हले डलवां लोहे के स्पीगाट और साकेट वाले मजबूत पानी और मंगन के पाइप फिटिंग और गहायक अंगों की विशिष्टि।	एस० प्रो० 2246 दिनांक 30 जुलाई 1966	संख्या 3 मार्च 1973	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1 मार्च 1973	
19. IS : 1885 (भाग 4/खण्ड 4)- 1970 विद्युत तकनीकी शब्दावली : भाग 4 इलेक्ट्रान द्युब और वाल्व खण्ड 4 कैथोड किरण द्युब।	—	संख्या 1 मई 1973	प्रथम मुख पृष्ठ, पृष्ठ 1 और 3 में दिए शीर्षक के स्थान पर नया शीर्षक दिया गया है।	1 मई 1973	
20. IS : 1977-1969 संरचना इस्पात (साधारण किस्म) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)।	एस० प्रो० 639 दिनांक 21 फरवरी 1973	संख्या 1 मार्च 1973	(पृष्ठ 11, खण्ड 14.1.2)-खण्ड को हटा दीजिए और बाद के खण्डों की क्रम संख्या ठीक कर लीजिए।	1 मार्च 1973	
21. IS : 2037-1962 ट्रेसिंग कपड़े की विशिष्टि।	एस० प्रो० 2562 दिनांक 11 अगस्त 1962	संख्या 2 मई 1973	(1) खण्ड 5.1 और परिशिष्ट 'ए' के स्थान पर नए खण्ड और परिशिष्ट दिए गए हैं, और (2) खण्ड सी 2.1 का संशोधन किया गया है।	1 मई 1973	
22. IS : 2062-1969 संरचना इस्पात (गलन वेल्डिंग किस्म) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)।	एस० प्रो० 918 दिनांक 7 मार्च 1970	संख्या 1 मार्च 1973	(पृष्ठ 13, खण्ड 16.1.2)-इस खण्ड को हटा कर बाद के खण्डों की क्रम संख्या ठीक कर लीजिए।	1 मार्च 1973	
23. IS : 2101-1962 500 मिमी से ऊपर 3150 मिमी तक की साइजों के लिए लिमिट और फिट सम्बन्धी मिफारिशें।	एस० प्रो० 1147 दिनांक 20 अप्रैल 1963	संख्या 2 जून 1973	सारणी 4 का संशोधन किया गया है।	1 जून 1973	
24. IS : 2208-1962 650 वोल्ट तक के एच और सी कार्बूस फ्यूज लिंक की विशिष्टि	एस० प्रो० 1692, दिनांक 22 जून, 1963	सं० 4 मई, 1973	खण्ड 6.3.1 का संशोधन किया गया है।	1 मई, 1973	
25. IS : 2333-1963 प्लास्टर आफ पेरिस की विशिष्टि	एस० प्रो० 1760, दिनांक 29 जून, 1963	संख्या 3 मई, 1973	(1) (पृष्ठ 4, ग्रेड 2 के सम्मुख खण्ड 2.1) शब्द (including intra-oral impressions) को हटा दीजिए। (2) सारणी 1 का संशोधन किया गया है। (3) खण्ड बी-10.2 के बाद नया खण्ड बी-11 जोड़ा गया है।	1 मई, 1973	
26. IS : 2361-1970 बुलडागप्रिष की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस० प्रो० 1277, दिनांक 27 मई, 1972	सं० 1 मई, 1973	(1) खण्ड 5.4.2 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है और (2) (पृष्ठ 8, तारांकित* पाद टिप्पणी)---“वर्तमान पाद टिप्पणी के स्थान पर निम्नलिखित जोड़ दीजिए :— ‘Ganging practice for 150 metric screw threads’		
27. IS : 2414-1969 साइकिल टायरों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस० प्रो० 3252, दिनांक 3 अक्टूबर 1970	सं० 1 फरवरी, 1973	(1) खण्ड 4.1.5 और 4.2.5 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं (2) खण्ड 4.1.6 और 4.2.6 को हटाकर खण्डों की क्रम संख्या ठीक कर दी गई है। (3) खण्ड 4.1.7.1, 4.1.7.2 और 4.2.2 और 4.2.7.2 का संशोधन किया गया है।	1 फरवरी, 1973	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
28. IS : 2415-1969 साइकिल रजिस्ट्रेशन की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस०ओ० 3252, दिनांक 3 अक्टूबर, 1970	संख्या 1 मई, 1973	(1) खण्ड 3.2 और 3.4 का संशोधन किया गया है; (2) सारणी 1 के नीचे एक टिप्पणी जोड़ी गई है; (3) खण्ड 3.6 के बाद नया खण्ड 3.7 जोड़ा गया है। (4) पृष्ठ 5 पर श्रंत में पाठ टिप्पणी जोड़ी गई है।	1 मई, 1973	
29. IS : 2596-1964 खनिकों की टोपी लैम्पों के बल्ब की विशिष्टि	एस०ओ० 1840 दिनांक 30 मई, 1964	सं० 5 मई, 1973	(1) खण्ड 0.5 का संशोधन किया गया है। (2) खण्ड 3.2 की सारणी II के स्थान पर नई सारणी दी गई है। (3) पृष्ठ 7, सारणी III, टिप्पणी (देखिए संशोधन संख्या 2) इस टिप्पणी को हटा दीजिए।	1 मई, 1973	
30. IS : 2615-1964 प्लाव, बिमदी और कतरनी की सामान्य अपेक्षाएं	एस०ओ० 2874, दिनांक 22 अगस्त, 1964	संख्या 1 मई, 1973	खण्ड 7.1 का संशोधन किया गया है।	1 मई, 1973	
31. IS : 2635-1966 डी सी बिजली के वेल्डिंग जनित की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	एस०ओ० 2297, दिनांक 4 जुलाई, 1964	संख्या 4 मई, 1973	खण्ड 7.2.1 के बाद नया खण्ड 7.2.2 जोड़ा गया है और वर्तमान खण्ड 7.2.2 की संख्या बदलकर 7.2.3 कर दी गई है।	1 मई, 1973	
32. IS : 2641-1964 बिजली वेल्डिंग सहायकांग की विशिष्टि	एस०ओ० 3329, दिनांक 19 सितम्बर, 1964	संख्या 1 मई, 1973	खण्ड 3.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।	1 मई, 1973	
33. IS : 2713-1969 शिरोपरि पावर लाइनों के लिए तारों के बने इस्पात के खम्भों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस०ओ० 226, दिनांक 16 जनवरी, 1965	संख्या 1 मार्च 1973	सारणी 2 का संशोधन किया गया है।	1 मार्च, 1973	
34. IS : 2783-1969 सारी बुनाईदार गार्डन तक बकने वाली टोपियों (बालकलावा) की विशिष्टि	एस०ओ० 618 दिनांक 20 फरवरी, 1965	संख्या 1 मई, 1973	(पृष्ठ 5, सारणी 1, स्तम्भ 4 आखिरी इशराज) — '8' के स्थान पर '18' कर लीजिए।	1 मई, 1973	
35. IS : 2832-1964 जलमह सिलिकॉन कार्बाइड कागज की विशिष्टि	एस०ओ० 83, दिनांक 2 जनवरी, 1965	सं० 1 मई, 1973	सारणी 1 के स्थान पर नई सारणी दी गई है।	1 मई, 1973	
36. IS : 2861-1964 डायजीनोन पायसनीय तेज द्रव की विशिष्टि	एस०ओ० 895, दिनांक 2 मार्च, 1965	सं० 3 मई, 1973	खण्ड 2.3.2 का संशोधन किया गया है।	1 मई, 1973	
37. IS : 3265-1971 सादे कैंलिको करघों की नालों में उपयोग के लिए बाने की शोरिया (गाव-हुम फिट) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस०ओ० 1549, दिनांक 2 जून, 1973	संख्या 1 मार्च, 1973	खण्ड 7.1.1.1 का संशोधन किया गया है।	1 मार्च, 1973	
38. IS : 3520-1966 जल घुलनशील सोडियम कार्बोक्सी मिथाइल की विशिष्टि	एस०ओ० 241, दिनांक 21 जनवरी 1967	संख्या 1 मई, 1973	(1) खण्ड 0.2 और 2.1 (सी) का संशोधन किया गया है। (2) खण्ड 3.7, 3.7.6 और 3.7.7 के बाद नए खण्ड 3.7.6-1 क्रमशः 3.7.0, और 3.7.3.1 जोड़े गए हैं।	1 मई, 1973	

*भा० मा० संख्या प्रमाणित चिह्न योजना कार्यों के लिए यह संशोधन 1 सितम्बर, 1973 से लागू हो गया है।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
39. IS : 3829-1966 धैतिज बेलना-कार और धैतिज आयताकार माप वाले स्टेरीलाइजर (अस्प-तालों में उपयोग के लिए) की विशिष्टि	एस० ओ० 2177, दिनांक 1 जुलाई, 1967	संख्या 2 मार्च, 1973	(1) खण्ड 1.1, 5.1, 5.5, 6.1 और 6.2.1 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं; (2) खण्ड 7 हटा दिया गया है और बाद के खण्डों की क्रम संख्या ठीक कर दी गई है। (3) खण्ड 9.1.2, 11.3 और 11.4 का संशोधन किया गया है, और (4) परिशिष्ट 'ए' के स्थान पर नया परिशिष्ट दिया गया है।	1 मार्च, 1973	
40. IS : 4741-1968 टिच बटन चार टुकड़ों से बने की विशिष्टि	एस० ओ० 368, दिनांक 25 जनवरी, 1969	संख्या 1 मई, 1973	आकृति 2 में नई सामग्री जोड़ी गई है और उसके शीर्षक में संशोधन किया गया है।	1 मई, 1973	
41. IS : 4778-1968 जूतों के सूती फीतों की विशिष्टि	एस० ओ० 368 दिनांक 25 जनवरी, 1969	संख्या 3 मई, 1973	(1) सारणी 2 का संशोधन किया गया है। (2) नया खण्ड 2.4 जोड़ा गया है।	1 मई, 1973	
42. IS : 4849-1968 वर्षा मापन की विशिष्टि	एस० ओ० 1455 दिनांक 19 अप्रैल, 1969	संख्या 2 मई, 1973	खण्ड 5.1 का संशोधन किया गया है।	1 मई, 1973	
43. IS : 4895-1968 सागौन के लट्ठों के ग्रेड निर्धारण के नियम	एस० ओ० 1906 दिनांक 17 मई, 1969	संख्या 1 मई, 1973	(1) खण्ड 3.2 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। (2) एक नया खण्ड 1.11 जोड़ा गया है।	1 मई, 1973	
44. IS : 5410-1969 सीमेंट के रंग रोगन, वांछित रंग वाले की विशिष्टि	एस० ओ० 918 दिनांक 7 मार्च, 1970	संख्या 1 मई, 1973	(1) (पृष्ठ 4, अनौपचारिक सारणी 3.1 दूसरा स्तम्भ, तीसरे हस्तक्षेप में) — 3 से 7 तक के स्थान पर 3 चतुर्तम कर लीजिए। (2) (पृष्ठ 11, खण्ड ए-3, 1.3, पंक्ति 13, सूत्र) — '× 100' को हटा दीजिए। (3) खण्ड सी 4.2 का संशोधन किया गया है।	1 मई, 1973	
45. IS : 5553 (भाग 2)-1970 रिफ्रेक्टर की विशिष्टि भाग 2 सिरीज रिफ्रेक्टर	एस० ओ० 2110 दिनांक 29 मई, 1971	संख्या 1 मई, 1973	(1) खण्ड 8.2.1(इ) और 8.7 का संशोधन किया गया है और (2) खण्ड 8.4.3 के अंत में एक टिप्पणी जोड़ी गई है।	1 मई, 1973	
46. IS : 6094-1971 छोटभुजी साकेट-दार घब पेंचों की विशिष्टि	एस० ओ० 398 दिनांक 5 फरवरी, 1972	संख्या 1 मई, 1973	सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1 मई, 1973	
47. IS : 6117-1971 सूती फीतों की विशिष्टि	—	संख्या 1 मई, 1973	सारणी 1 और दो का संशोधन किया गया है।	1 मार्च, 1973	
48. IS : 6157-1971 द्रवों के नियंत्रण के लिए वास्कों और टोटियों के निरीक्षण सम्बन्धी सामान्य नियम	—	संख्या 1 मई, 1973	खण्ड 4.3 का संशोधन किया गया है।	1 मई, 1973	
49. IS : 6218-1971 साइकिल के मडगाई की विशिष्टि	—	संख्या 1 मई, 1973	खण्ड 5.1 और 5.1.1 का संशोधन किया गया है।	1 मई, 1973	
50. IS : 6313 (भाग 1)-1971 इमारतों में दीपक रोक उपायों की शीतिमहिता भाग 1 निर्माण सम्बन्धी उपाय	—	संख्या 1 मई, 1973	खण्ड 0.2, 4.1.1.5 और आकृति 6 का संशोधन किया गया है।	1 मई, 1973	

1	2	3	4	5	6
51. IS : 6313 (भाग 2)-1971 इमारतों में दीमक रोक - उपायों की रीति संहिता : भाग 2 निर्माण पूर्व रसायनिक उपचार सम्बन्धी उपाय	—	संख्या 1 मई, 1973	खण्ड 4.3 की अनौपचारिक सारणी का संशोधन किया गया है।	1 मई, 1973	
52. IS : 6328-1971 समान कोणीय मिलिंग कटर की विनिर्दिष्ट	—	संख्या 1 मई, 1973	(पृष्ठ 1, खण्ड 2 के अन्तर्गत सारणी, स्तम्भ 1, डी के नीचे) — '65' के स्थान पर '63' कर लीजिए।	1 मई, 1973	

इन संशोधनों की प्रतियाँ भारतीय मानक संस्था के मुख्यालय, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110001 और उसके शाखा कार्यालयों, अहमदाबाद, बंगलौर, बम्बई, कलकत्ता, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास और पटना में विक्री के लिए उपलब्ध हैं।

[सं० सी० एम० डी०/13:5]

INDIAN STANDARD INSTITUTION

New Delhi, the 20th May, 1975

S. O. 1683.—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed have been issued under the powers conferred by the sub-regulation (1) of Regulation 3 of the said Regulations.

SCHEDULE

Sl. No.	No. and title of the Indian Standard amended	No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and Date of the Amendment	Brief particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect
1	2	3	4	5	6
1. IS: 193:1966	Specification for soft solder (second revision)	S.O. 913 dated 18 Mar. 1967	No. 2 May 1973	Table 1 has been amended	1 May 1973
2. IS: 226-1969	Specification for structural steel (standard quality) (fourth revision)	S.O. 639 dated 21 Feb 1970	No.1 Mar 1973	(Page 12, Clause 14.3) Delete the clause and re-number the subsequent clauses accordingly	1 May 1973
3. IS: 321-1964	Specification for absolute alcohol (revised)	S.O. 4120 dated 5 Dec. 1964	No.1 May 1973	A new clause 4.3 has been added at the end of Table 1	1 May 1973
4. IS: 398-1961	Specification for Hard-drawn stranded aluminium and steel-cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes (revised)	S.O. 417 dated 10 Feb 1962	No. 5 May 1973	Table IV has been amended	1 May 1973
5. IS: 516-1959	Methods of tests for strength of concrete	S.O. 485 dated 27 Feb 1960	No.1 May 1973	(i) Clauses 2.11.2, 10.4 and 10.6.1 have been amended and (ii) Clause 10.2 has been substituted by a new one.	1 May 1973
6. IS: 537-1967	Specification for toluene, pure, nitration grade (first revision)	S.O. 287 dated 20 Jan. 1968	No.2 May 1973	Table 1 has been amended	1 May 1973
7. *IS: 636-1962	Specification for fire fighting hose (rubber lined woven jacketed) (revised)	S.O. 1683 dated 22 Jun 1963	*No. 1 May 1973	Clauses 3.1, 14.1 and Appendix 'A' have been substituted by new ones.	1 May 1973
8. IS: 903-1965	Specification for fire hose delivery couplings, branch pipe, nozzles and nozzle spanner (revised)	S.O. 944 dated 12 Feb 1966	No. 2 May 1973	Fig. 2 and 3 have been substituted by new ones.	1 May 1973
9. IS: 961-1962	Specification for structural steel (high tensile) (revised)	S.O. 415 dated 1 Feb 1964	No.3 Mar 1973	(Page 13, Clause 15.3) Delete the clause and re-number the subsequent clauses accordingly	1 Mar 1973
10. IS: 1200 (Pt. XI)-1971	Method of measurement of building and civil engineering works Part XI paving and floor finishes (second revision)		No. 1 May 1973	(i) New item (g) and (h) have been added after clause 3, (f) and clause 4.1 (g) respectively and (ii) New clause 3.3.1 has been added after clause 3.3	1 May 1973

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme, this amendment shall come into force with effect from 1 September 1973.

1	2	3	4	5	6
11.	IS: 1200 (Pt.XIII) 1970 Method of measurement of building and civil engineering works Part XIII white-washing, colour washing, distempering and other finishes (second revision)	S.O. 3015 dated 14 Aug. 1971	No.1 May 1973	(Page 6, clauses 3.2, Line 2) Substitute 'Square metre' for 'metre'.	1 May 1973
12.	IS: 1350 (Pt.II)-1970 Methods of test for coal and coke Part II determination of calorific Value (first revision)	S.O. 1935 dated 8 Jul 1972	No. 1 May 1973	(i) Clauses 2.3 (a) and 2.3 (c) renumbered as 2.3 (b) has been amended and (ii) Clause 2.3 (b) and 2.3 (d) have been deleted.	1 May 1973
13.	IS : 1376-1968 Specification for cotton sewing threads for aeronautical purposes (first revision)	S.O. 3961 dated 9 Nov. 1968	No. 3 May 1973	Clause 4.1 and Table I have been substituted by new ones.	1 May 1973
14.	IS: 1538-1969 Specification for cast iron fittings for pressure pipes for water, gas and sewage (first revision)	S.O. 3305 dated 21 Oct. 1972	No. 1 May 1973	Table 15 has been amended	1 May 1973
15.	IS: 1651-1970 Specification for stationery cells and batteries, acid type (with tubular positive Plates) (first revision)		No 1 May 1973	Table 1 has been amended	1 May 1973
16.	IS: 1720-1969 Specification for cotton sewing threads (first revision)		No. 1 Apr. 1973	This amendment is being issued to include one more variety of sewing thread and to provide for certain specially finished sewing threads, especially required by the Chief Inspectorate of Military Explosives in the manufacture of ammunition, armaments etc.	1 Apr. 1973
17.	IS: 1724-1971 Specification for wooden warp bobbins for rabbeth spindles (second revision)	S.O. 1549 dated 2 June 1973	No. 1 Mar 1973	Page 9, clause 7.1.1 line 1)- Substitute band other wise 10 sets shall be tested for 'otherwise.'	1 May 1973
18.	IS: 1729-1964 Specification for sand cast iron spigot and socket soil, waste and ventilating pipes, fittings and accessories	S.O. 2246 date 30 Jul 1966	No. 3 Mar 1973	Table 1 has been amended	1 Mar. 1973
19.	IS: 1885 (Pt. IV/Sec 4) 1970 Electro-technical vocabulary Part IV electron tubes and valves Section 4 cathode-ray tubes.		No. 1 May 1973	Title on first cover page, pages 1 and 3 has been substituted by a new one.	1 May 1973
20.	IS : 1977-1969 Specification for structural steel (ordinary quality) first revision)	S.O. 639 dated 21 Feb. 1970	No. 1 March 1973	(Page 11, clause 14.12.2) Delete the clause and re-number the subsequent clauses accordingly	1 March 1973
21.	IS: 2037-1962 Specification for tracing cloth	S.O. 2562 dated 11 Aug 1962	No. 2 May 1973	(i) Clause 5.1 and Appendix 'A' have been substituted by new ones and (ii) Clause C-2.1 has been amended.	1 May 1973
22.	IS: 2062-1969 Specification for structural steel (Fusion welding quality) (first revision)	S.O. 918 dated 7 Mar 1970	No.1 Mar 1973	(Page 13, clause 16.1.2) Delete the clause and re-number the subsequent clauses accordingly.	1 Mar. 1973
23.	IS: 2101-1962 Recommendations for limits and fits for sizes above 500 mm up to 3 150 mm	S.O. 1147 dated 20 Apr. 1963	No. 2 Jun. 1973	Table VI has been amended	1 Jun. 1973
24.	IS: 2208-1962 Specification for HRC cartridge fuse-links (oup 650V	S.O. 1682 dated 22 Jun 1963	No. 4 May 1973	Clause 6.3.1 has been amended	1 May 1973
25.	IS: 2333-1963 Specification for Plaster of paris	S.O. 1760 dated 29 Jun 1963	No. 3 May 1973	(i) (Page 4, clause 2.1 against Grade 2) Delete the word 'including' intra-oral impression's'. (ii) Table 1 has been amended and (iii) New Clause B.11 has been added after B-10.2	1 May 1973

1	2	3	4	5	6
26. IS: 2361-1979 Specification for bulldog drips (first revision)	S.O. 1277 dated 27 May 1972	No.1 May 1973	(i) Clause 5.4.2 has been substituted by a new one and (ii) [Page 8, foot-note with (*) mark] Substitute the following for the existing foot-note: "Gauging practice for ISO metric screw threads."	1 May 1973	
27. IS: 2414-1969 Specification for cycle tyres (first revision)	S.O. 3252 dated 3 Oct. 1973	No. 1 Feb. 1973	(i) Clauses 4.1.5 and 4.2.5 have been substituted by new ones; (ii) Clauses 4.1.6 and 4.2.6 have been deleted and the subsequent clauses re-numbered accordingly and (iii) Clauses 4.1.7.1, 4.1.7.2, 4.2.2 and 4.2.7.2 have been amended.	1 Feb 1973	
28. IS: 2415-1969 Specification for cycle rubber tubes (first revision)	S.O. 3252 dated 3 Oct. 1970	*No.1 May 1973	(i) Clauses 3.2 and 3.4 have been amended; (ii) A Note has been added at the bottom of the Table 1 (iii) New clauses 3.7 has been added after clause 3.6 and (iv) Foot-note has been added at the end of Page 5	1 May 1973	
29. IS: 2596-1964 Specification for bulbs (lamps) for miner's cap-lamps	S.O. 1840 dated 30 May 1964	No. 5 May 1973	(i) Clause 0.5 has been amended; (ii) Table II of clause 3.2 has been substituted by a new one and (iii) [Page 7, Table III, Note (see Amendment No. 2)] Delete the note	1 May 1973	
30. IS: 2615-1964 General requirements for Pliers, pincers and nippers.	S.O. 2874 dated 22 Aug. 1964	No. 1 May 1973	Clause 7.1 has been amended	1 May 1973	
31. IS: 2635-1965 Specification for de-electric welding generators (revised)	S.O. 2297 dated 4 Jul. 1964	No. 4 May 1973	New clause 7.2.2 has been added after clause 7.2.1 and the existing clause 7.2.2 has been re-numbered as 7.2.3	1 May 1973	
32. IS: 2641-1964 Specification for electric welding accessories	S.O. 3329 dated 19 Sept. 1964	No.1 May 1973	Clause 3.1 has been substituted by a new one	1 May 1973	
33. IS: 2713-1969 Specification for tubular steel poles for overhead power lines (first revision)	S.O. 226 dated 16 Jan. 1965	No.1 Mar. 1973	Table 2 has been amended	1 Mar. 1973	
34. IS: 2783-1969 Specification for balacava caps, plain-knitted (first-revision)	S.O. 618 dated 20 Feb. 1965	No.1 May 1973	(Page 5, Table I, Col. 4 last entry)-Substitute '18' for '3'	1 May 1973	
35. IS: 2832-1964 Specification for water proof silicon carbide paper	S.O. 83 dated 2 Jan. 1965	No.1 May 1973	Table 1 has been substituted by a new one	1 May 1973	
36. IS: 2861-1964 Specification for diazinon emulsifiable concentrates	S.O. 895 dated 20 Mar. 1965	No. 3 May 1973	Clause 2.3.2 has been amended	1 May 1973	
37. IS: 3265-1971 Specification for welt prins (taper fit) for use in shuttles for plain calico looms (first revision)	S.O. 1549 dated 2 Jun. 1973	No. 1 Mar. 1973	Clause 7.1.1.1 has been amended	1 Mar. 1973	
38. IS: 3520 3520-1965 Specification for water-soluble sodium carboxymethyl Cellulose	S.O. 241 dated 21 Jan. 1967	No. 1 May 1973	(i) Clauses 0.2 and 2.1(c) have been amended and (ii) Clauses 3.7.0, 3.7.6.1 and 3.7.7.1 have been added after clauses 3.7.3, 3.7.6 3.7.7 respectively.	1 May 1973	
39. IS: 3829-1966 Specification for horizontal cylindrical and horizontal-rectangular steam sterilizers, pressure type (for hospital use)	S.O. 2177 dated 1 July. 1967	No. 2 Mar. 1973	(i) Clauses 1.1.5.1, 5.5, 6.1 and 6.2.1 have been substituted by by new ones; (ii) Clause 7 has been deleted and the subsequent clauses have been re-numbered accordingly;	1 Mar. 1973	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
				(iii) Clauses 9.1.2, 11.3 and 11.4 have been amended and	
				(iv) Appendix 'A' has been substituted by a new one.	
40. IS : 4741-1968 Specification for snap fasteners (four pieces).	S.O. 368 dated 25 Jan 1969	No. 1 May 1973		New matter has been added in Fig. 2 and caption thereof amended	1 May, 1973
41. IS : 4778-1968 Specification for cotton laces for footwear.	S.O. 368 dated 25 Jan 1969	No. 3 May 1973		(i) Table 2 has been amended and	1 May 1973
				(ii) New clause 2.4 has been added	
42. IS : 4849-1968 Specification for rain measures.	S.O. 1455 dated 19 April, 1969	No. 2 May 1973		Clause 5.1 has been amended.	1 May 1973
43. IS : 4895-1968 Grading rules for teak logs.	S.O. 1906 dated 17 May 1969	No. 1 May 1973		(i) Clause 3.2 has been substituted by a new one and	1 May 1973
				(ii) A new clause 4.11 has been added.	
44. IS : 5410-1969 Specification for cement paint, colour as required.	S.O. 918 dated 7 March 1970	No. 1 May 1973		(i) (Page 4, informal table under 3.1, second column, third entry)-Substitute '3, Min' for '3 to 7'.	1 May 1973
				(ii) (Page 11, clause A-3.1.5, line 13, formula)-Delete 'X 100'.	
				(iii) Clause C-4.2 has been amended.	
45. IS : 5553 (Pt II)-1970 Specification for reactors.	S.O. 2110 dated 29 May 1971	No. 1 May 1973		(i) Clauses 8.2.1(e) and 8.7 have been amended and	1 May 1973
Part II series reactors.				(ii) A Note has been added at the end of clause 8.4.3.	
46. IS : 6094-1971 Specification for hexagon socket grub screws.	S.O. 398 dated 5 Feb. 1972	No. 1 May 1973		Table 1 has been amended.	1 May 1973
47. IS : 6117-1971 Specification for tapes, cotton.		No. 1 May 1973		Tables 1 and 2 have been amended.	1 May 1973
48. IS : 6157-1971 General rules for inspection of valves and cocks for fluid control purposes.		No. 1 May 1973		Clause 4.3 has been amended.	1 May 1973
49. IS : 6218-1971 Specification for bicycle mudguards.		No. 1 May 1973		Clauses 5.1 and 5.1.1 have been amended.	1 May 1973
50. IS : 6313 (Pt I)-1971 Code of practice for anti-termite measures in buildings Part I constructional measures.		No. 1 May 1973		Clauses 0.2, 4.1.5 and Fig. 6 have been amended.	1 May 1973
51. IS : 6313 (Pt II)-1971 Code of practice for anti-termite measures in buildings Part II pre-constructional chemical treatment measures.		No. 1 May 1973		Informal table of clause 4.3 has been amended.	1 May 1973
52. IS : 6326-1971 Specification for equal angle milling cutters.		No. 1 May 1973		(Page 1, Table under clause 2, Col. 1, under 'D')-Substitute '63' for '65'	1 May 1973

Copies of these amendments are available for sale, with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bhadur Shah Zafar Marg, New Delhi-1 and also its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Hyderabad, Kanpur, Madras, Patna and Chandigarh.

[No. CMD/13:IS]

नई दिल्ली, 21 मई, 1975

क्र० प्रा० 1684.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विज्ञान) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि फेनिल पारा एसोटेड, तकनीकी की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस नीचे अनुसूची के अनुसार निर्धारित की गई है और यह फीस 16 मार्च 1973 से लागू हो जाएगी :

अनुसूची

क्रम	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	सम्बद्ध भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
सं०				
1.	फेनिल पारा एसोटेड तकनीकी	IS : 2126-1973 फेनिल पारा एसोटेड तकनीकी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	1 कि० प्रा०	20 पैसे

[सं० सी०एम०डी० 13: 10]

ए० के० गुप्ता, कार्यवाहक सहायक निदेशक

New Delhi, the 21st May, 1975

S.O. 1684.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standard Institution hereby notifies that the marking fee per unit for phenyl mercury acetate, technical details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 16 March, 1975.

SCHEDULE

Sl. Product/Class of Product No.	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
(1)	(2)	(3)	(4)
1. Phenyl mercury acetate, technical	IS: 2126-1973 Specification for phenyl mercury acetate, technical (first revision)	1 Kg.	20 Paise

[No. CMD/13:10]
A.K. GUPTA, Director General.

पेट्रोलियम एवं रसायन संभालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 13 मई, 1975

क्रा० ग्रा० 1685.—अतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि रुद्रसागर कूप नम्बर 81 से रुद्रसागर जी०जी० एस० नम्बर 2 तक की पाइप लाइन के बीच पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वाक्य अनुसूची में वर्जित भूमि का उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 3) की धारा उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है;

उक्त भूमि में हितवादी कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप अथवा प्रमंडल पदाधिकारी शिवसागर, असम के कार्यालय में इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

रुद्रसागर कूप नम्बर 81 से रुद्रसागर जी०जी० एस० नम्बर 2 तक की पाइप लाइन

राज्य : असम	जिला : शिवसागर तालुक : मेतका बोनगांव			
ग्राम	सर्वे नम्बर	हेक्टर	ऐरे	सेन्टीऐरे
लाहिगीया	346ख	0	2	81
	426ख	0	0	27
	425ख	0	1	07
	424ख	0	3	75
	423ख	0	1	07
	347ख	0	2	54

348ख	0	0	13
283ख	0	1	47
282ख	0	1	61
281ख	0	1	61
280ख	0	1	74
279ख	0	1	74
429ख	0	1	34
410ख	0	1	34
428ख	0	1	34
352ख	0	1	61
353ख	0	2	68
368ख	0	2	01

[सं० 12020/2/75-एस०एण्ड एस/1]

MINISTRY OF PETROLEUM & CHEMICALS

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 13th May, 1975

S.O. 1685.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Rudrasagar Well No. 81 to Rudrasagar G.G.S. No. 2 in Sibsagar Distt., Assam, Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And Whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the Pipelines under the land to the Competent Authority, viz. the Sub-Divisional Officer, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline (Feeder Line) from Rudrasagar Well No. 81 to Rudrasagar GGS No. 2.
State : Assam Dist : Sibsagar Taluk : Metaka Bongaon

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Lahingia	346/Kha	0	2	81
	426 Kha	0	0	27
	425 Kha	0	1	07
	424 Kha	0	3	75
	423 Kha	0	1	07
	347 Kha	0	2	54
	348 Kha	0	0	13
	283 Kha	0	1	47
	282 Kha	0	1	61
	281 Kha	0	1	61
	280 Kha	0	1	74
	279 Kha	0	1	74
	429 Kha	0	1	34
	410 Kha	0	1	34
	428 Kha	0	1	34
	352 Kha	0	1	61
	353 Kha	0	2	68
	368 Kha	0	2	01

[No. 12020/2/75-L&I/I]

क्र०अ० 1686.—अतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि रुद्रसागर कूप नम्बर 81 से रुद्रसागर जी०जी०एस० नम्बर 2 तक की पाइप लाइन के बीच पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए पाईप लाइन नेट एवं प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वा बख अनुसूची में वर्जित भूमि के उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम पाईप लाइन (भूमि में के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 3) की धारा उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने में अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है;

उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उक्त भूमि के बीच पाईप लाइन विछाने के लिए आशेष शर परमंडल पदाधिकारी शिवसागर, असम के कार्यालय में इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ऐसा आशेष करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट, यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुगवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

रुद्रसागर कूप नम्बर 81 से रुद्रसागर जी०जी० एस नम्बर 2 तक की पाइप लाइन

राज्य : असम	जिला : शिवसागर	तालुका : मेटेका	वोनगांव	
ग्राम	सर्वे नम्बर	हेक्टर	गुरे	सेन्टीगुरे
रुपलीबिल	676अ	0	16	46
	675अ	0	24	62

[सं० 1202/20/75-एल०एंड०एल-II]

S.O. 1686.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Rudrasagar—Well No. 81 to Rudrasagar G.G.S. No. 2 in Sibsagar Dist., Assam: Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission. And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the Pipelines under the land to the Competent Authority, viz. the Sub-Divisional Officer, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from Pudrasagar Well No. 81 to Rudrasagar GGS-2
State : Assam Dist : Sibsagar Taluk : Metakabongaon.

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Rupahibil	676 Kha	0	16	46
	675 Kha	0	24	62

[No. 12020/2/75-L&L/II]

क्र०अ० 1687.—अतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि लकवा जी०जी०एस० नम्बर 7 से रुम सागर स्क्वायर ट्रूकपाइप लाइन के जंक्शन पाइन्ट के बीच पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए पाईप लाइन नेट एवं प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वा बख अनुसूची में वर्जित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 3) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है;

उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उक्त भूमि के बीच पाईप लाइन विछाने के लिए आशेष शर परमंडल पदाधिकारी शिवसागर, असम के कार्यालय में इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ऐसा आशेष करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट : यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुगवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

लकवा जी०जी० एम नम्बर 7 में रुद्रसागर-लकवा ट्रंक पाइप लाइन पर्यन्त
पाइप लाइन (राजसूय चङ्क का सामने)

राज्य : आसाम	जिला : शिवसागर	तालुक : शिलाकुटी		
ग्राम	मर्च नम्बर	हेक्टर	ऐरे	सेन्टी ऐरे
चला चाय बगीचा	2ख	0	4	82
	3ख	0	5	89
	5ख	0	0	80
	6ख	0	2	01
	6ङ	0	1	74
	7ख	0	15	52
	7घ	0	4	82
	8ख	0	8	83
	9ख	0	25	55
	9ङ	0	6	69

[सं० 12020/2/75-एस०एल० III]

ए०ए० वामुदेवन, उपसचिव

S.O. 1687.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Lakwa GGS No. 7 to Junction point of RDS-LKW Trunk pipeline in Sibsagar Distt., Assam. Pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the Pipelines under the land to the Competent Authority, viz the Sub-Divisional Officer, Sibsagar, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipe Line from Lakwa GGS No. 7 to Junction Point of Rudra-sagar-Lakwa Trunk Pipeline Near Rajgorh Ali.

State : Assam District : Sibsagar Taluk : Silakuti.

Village	Survey No.	Hec-tare	Are	Centare
Sola Chah Bagicha	2 Kha	0	4	82
	3 Kha	0	5	89
	5 Kha	0	0	80
	6 Kha	0	2	01
	6 Unga	0	1	74
	7 Kha	0	15	52
	7 Gha	0	4	82
	8 Kha	0	8	83
	9 Kha	0	25	55
	9 Unga	0	6	69

[No. 12020/2/75-L&L/III]

A. A. VASUDEVAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 22 मई, 1975

क्र०आ० 1688.—जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये तथा इस सम्बन्ध में (प्रवृत्त) समस्त अन्य शक्तियों का समर्थन प्राप्त करने हुये, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि भारत सरकार के पेट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) के संकल्प संख्या 28(11)/70-ओ० आर० दिनांक 22 अगस्त, 1970, के, जिसका तत्पश्चात् संशोधन किया गया था, पैराग्राफ 4 के स्थान पर निम्नलिखित पैराग्राफ प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

“4 आयोग अपनी रिपोर्ट 31 अगस्त, 1975 तक प्रस्तुत करेगा।”

[संख्या 28(19)/72-ओ० आर०]

एस० एम० एच० बर्नी, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd May, 1975

S.O. 1688.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952) and all other powers hereunto enabling the Central Government hereby directs that in the resolution of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals and Mines and Metals (Department of Petroleum) No. 28(11)/70-OR, dated the 22nd August, 1970, as subsequently amended, for paragraph 4, the following paragraph shall be substituted, namely:

“4. The Commission will submit its report by the 31st day of August, 1975.”

[No. 28 (19) /72-OR]

S. M. H. BURNEY, Additional Secy.

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Power)

New Delhi, the 12th May, 1975

S.O. 1689.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 48 of the Damodar Valley Corporation Act, 1948 (14 of 1948), and in supersession of the instructions issued vide notification of the Government of India in the late Ministry of Irrigation & Power No. S. O. 2163, dated the 22nd June, 1967, the Central Government hereby instruct the Damodar Valley Corporation that the schedule of charges for the supply of electricity to the West Bengal State Electricity Board and the Bihar State Electricity Board shall be 10 per cent below the schedule of charges which may be fixed under section 20 of the said Act from time to time at any voltage of supply of electricity to the Corporations' general consumers and that this differential will apply to both demand and energy charges but not to fuel adjustment clause.

[No. 17 (13)/70-P. E.]

RAMESHWAR NATH, Under Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1975

क्र० आ० 1690.—नौवहन विकास निधि समिति (साधारण) नियम, 1960 के नियम (9) के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री कृष्णमूर्ति को श्री वि०वि० सुब्रह्मण्यम् के स्थान पर 7 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से नौवहन विकास निधि समिति का सचिव नियुक्त करती है।

[सं० एम०एस०डी०-13/74 (एम०डी०)]

एम० के० रामास्वामी, अवर सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
(Transport Wing)

New Delhi, the 25th March, 1975

S.O. 1690.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule (9) of the Shipping Development Fund Committee (General) Rules 1960, the Central Govt. hereby appoints Shri T. S. Krishna Murthy as Secretary of the Shipping Development Fund Committee, with effect from the forenoon of the 7th March, 1975, vice Shri V. V. Subrahmanyam.

[No. MSD-13/74 (MD)]

M. K. RAMASWAMY, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 मई, 1975

क्रा० 1691.—सड़क परिवहन निगम अधिनियम, 1950 (1950 का 65) की धारा 44 की उप धारा (2) के उपखंड (1) और खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दिल्ली परिवहन निगम (सदस्य) नियम, 1973 में संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम दिल्ली परिवहन निगम (सदस्य) संशोधन नियम, 1975 है।

(2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. दिल्ली परिवहन निगम (सदस्य) नियम, 1973 में नियम 9 के उप-नियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात्:—

(1) धारा 10 के अन्तर्गत नियम से संबन्धित व्यक्ति (जिसे तत्पश्चात् इस नियम में संबन्धित व्यक्ति कहा जायेगा) या तो अवैतनिक रूप में काम करे या उसे प्रतिदिन पचास रुपये का पारिश्रमिक दिया जाये।

[सं० 15-टी०ए०जी०(2)/73]

एन० ए० ए० नारायणन, अवर सचिव

New Delhi, the 17th May, 1975

S.O. 1691.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clause (b) of Sub-Section (2) of section 44 of the Road Transport Corporations Act, 1950 (60 of 1950), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Delhi Transport Corporation (Members) Rules, 1973, namely:

1. (1) These rules may be called the Delhi Transport Corporation (Members) Amendment Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Delhi Transport Corporation (Members) Rules, 1973, for the sub-rule (1) of rule 9, the following shall be substituted, namely:—

(1) A person associated with the Corporation under section 10 (hereinafter in this rule referred to as "associated person") may either work in an honorary capacity or be paid a remuneration of fifty rupees per diem.

[No. 15-TAG(2)/73]

N. A. A. NARAYANAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 मई, 1975

क्रा० 1692.—डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 5A की उप धारा (3) तथा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं०

क्रा० 169 (ई) दिनांक 5-2-1972 को अधिकांश करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को उक्त धारा 5 (क) की उप-धारा (1) के अन्तर्गत स्थापित मद्रास गोदी श्रम बोर्ड के सदस्य नियुक्त करती है और मद्रास पत्तन न्याम के अध्यक्ष को उक्त बोर्ड के अध्यक्ष नामित करती है, अर्थात्:—

केन्द्रीय सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य

1. अध्यक्ष,

मद्रास पत्तन न्याम, मद्रास

2. उपाध्यक्ष,

मद्रास गोदी श्रम बोर्ड, मद्रास

3. क्षेत्रीय श्रम आयुक्त (केन्द्रीय)

मद्रास

4. सहायक आयुक्त,

तमिलनाडु श्रम (कनस्लियेशन) सरकार, मद्रास

गोदी कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य

5. श्री ए०एस०के०

6. श्री एस० जंगामामी } मद्रास बन्दरगाह कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि

7. श्री एस०एम० नारायणन

8. श्री एन० सेलवारज } मद्रास पत्तन तथा गोदी कर्मचारी कांयस के प्रतिनिधित्व

गोदी कर्मकारों तथा नौवहन कम्पनियों के नियोजताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य

9. श्री एस०एच०सैयदयूसफ

10. श्री आर०के० वर्धनारायण } मद्रास नौवहन संघ के प्रतिनिधि

11. श्री पी०सी० तिलक

रामुद्रवारीय नौवहन कम्पनियों का प्रतिनिधित्व

12. श्री एस० तारकेमन

इंडियन नेशनल शिपमैनर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि

[सं० एल०डी० एम० 3/5/75]

वी० मंकरनियम, अवर सचिव

New Delhi, the 19th May, 1975

S.O. 1692.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (3) and (4) of section 5A of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), and in supersession of the notification of the Government of India, in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 169(E), dated the 25th February, 1972, the Central Government hereby appoints the following persons as members of the Madras Dock Labour Board established under Sub-Section (1) of the said Section 5A and nominates the Chairman, Madras Port Trust as Chairman of the said Board, namely:—

Members representing the Central Government:—

1. The Chairman, Madras Port Trust, Madras.

2. The Deputy Chairman, Madras Dock Labour Board, Madras.

3. The Regional Labour Commissioner (Central), Madras.

4. The Assistant Commissioner of Labour (Conciliation), Government of Tamil Nadu, Madras.

Members representing the dock workers:—

5. Shri A. S. K.

6. Shri S. Thangasami } Representatives of Madras Harbour Workers' Union.

7. Shri S. M. Narayanan } Representatives of the Madras Port & Dock Workers' Congress.

8. Shri N. Selvaraj

Members representing the employers of dock workers and shipping companies :—

- | | |
|-------------------------------------|--|
| 9. Shri S. H. Syed Yusuf | } Representatives of the Madras Stevedores' Association. |
| 10. Shri R. K. Varadana-
rayanan | |
| 11. Shri P. C. Tilak | Representative of Overseas Shipping interest. |
| 12. Shri S. Tarashsan | Representative of Indian National Shipowners' Association. |

[No. LDM/3/5/75]

V. SANKRALINGAM, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 20 मई, 1975

क्र० आ० 1693.—भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 13 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारतीय चिकित्सा परिषद् से परामर्श करने के बाद उक्त अधिनियम की तीसरी अनुसूची के भाग 2 में निम्नलिखित और संशोधन करती है:—

उक्त भाग में "एल० एल० एम० आर० सी० एच० (रायल कॉलेज ऑफ फिजीशियन एंड सर्जन्स, आयरलैंड)" की प्रविष्टि के बाद निम्न-लिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएं:—

"स्टेट्समैन" (ट्विन्गन विश्वविद्यालय, पश्चिम जर्मनी) एम० डी० (फार ईस्टर्न विश्वविद्यालय, मनीला, फिलीपाइन्स) एम० डी० (ओटावा विश्वविद्यालय, कनेडा)"

[सं० बी० 11015/32/75-एम०पी०डी०]

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 20th May, 1975

S.O. 1693.—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 13 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in Part II of the Third Schedule of the said Act, namely :—

In the said Part, after the entry "L.J.M.R.C.S. (Royal College of Physician and Surgeons, Ireland)" the following entries shall be inserted, namely :—

"Staatsexamen" (University of Tubingen, West Germany).

M.D. (Far Eastern University, Manila, Philippines).

M.D. (University of Ottawa, Canada)."

[V. 11015/32/75-MPT]

आदेश

क्र० आ० 1694.—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की दिनांक 22 अप्रैल, 1960 की अधिगूचना सं० 17-2/60-एम० आई० द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निर्देश दिया है कि भारतीय चिकित्सा परिषद् अधि-

नियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए "एम० डी० (पेनसिल्वानिया, संयुक्त राज्य अमेरिका)" मान्य चिकित्सा श्रेता होगी;

और यतः डा० हेलन सी० लालिन्स्की को उनके पास उक्त श्रेता है धर्मार्थ कार्य के प्रयोजनों के लिये फिनहाल होली फैमिली अस्पताल, मन्दार, जिला रांची, बिहार के साथ सम्बद्ध है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (1) के परन्तुक के भाग (ग) का पालन करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने एतद्वारा :

(1) 31 दिसम्बर, 1975 तक की और अवधि के लिये जिसमें 31 दिसम्बर 1975 भी शामिल है; अथवा

(2) उस अवधि को अब तक डा० हेलन सी० लालिन्स्की होली फैमिली अस्पताल, मन्दार, जिला रांची, बिहार के साथ सम्बद्ध रहते हैं, जो भी कम हो वह अवधि निर्दिष्ट करती है, जिसमें पूर्वोक्त डा० मेडिकल प्रैक्टिस कर सकेंगे।

[सं० बी० 11016/5/74-एम०पी०डी०]

श्रीमति सती नायर, अवर सचिव

ORDER

S.O. 1694.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 17-2/60-MI dated the 22nd April, 1960, the Central Government has directed that the medical qualifications, "M.D. (Pennsylvania, United States of America)" shall be a recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas, Dr. Helen C. Lalinsky, who possesses the said qualification is for the time being attached to the Holy Family Hospital, Mandar, District Ranchi, Bihar, for the purposes of charitable work;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies :—

(i) a further period upto and inclusive of the 31st December, 1975 or

(ii) the period during which Dr. Helen C. Lalinsky is attached to the said Holy Family Hospital, Mandar, District Ranchi, Bihar,

whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[V. 11016/5/74-MPT]

MRS. SATHI NAIR, Under Secy.

परिवार और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1975

क्र० आ० 1695.—यतः 2 जनवरी, 1975 को मध्य प्रदेश सरकार का चार सीटों एवं एक इंजन वाला बोतांचा विमान सी०डी०-सी०आई० आई० लखनऊ से लगभग 40 मील दक्षिण-पूर्व में डलमाऊ (जिला राय बरेली) के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसके परिणामस्वरूप तीन यात्रियों तथा विमानचालक की मृत्यु हो गयी;

और यतः केन्द्रीय सरकार की दृष्टि में उक्त दुर्घटना की एक जांच समिति द्वारा जांच किया जाना आवश्यक प्रतीत होता है;

अतः अब, वायुयान नियम, 1937 के नियम 74 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त दुर्घटना की जांच करने के लिए एक जांच समिति नियुक्त करती है जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति सम्मिलित होंगे, अर्थात् :—

1. एयर कमांडर एम० एम० मेहता, वायुसेना मुख्यालय
नई दिल्ली। अध्यक्ष
 2. श्री ड० कृष्ण राव, निदेशक, विमानन सेवा, भारत
भौतिक विज्ञान विभाग। सदस्य
 3. श्री ए० वी० सिंह, उप निदेशक, विमान गृह,
नागर विमानन विभाग। सदस्य-सचिव
- [का० सं० ए०वी० 15013/1/75-ए०]
एम० ए० कम्बरम्, उप-सचिव

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th February, 1975

S.O. 1695.—Whereas a four seater single engined Bonanza aircraft V/T-CYI belonging to Madhya Pradesh Government crashed on the 2nd January, 1975 near Dalmau (Distt. Rae Bareilly) approximately 40 miles south east of Lucknow, resulting in the death of 3 passengers and the pilot;

And whereas, it appears necessary to the Central Government that it is expedient to hold an inquiry into the said accident by a Committee of Inquiry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 74 of the Aircraft Rules, 1937, the Central Government hereby appoints a Committee of Inquiry composed of the following persons to hold an inquiry into the said accident, namely:—

1. Air Commodore H. S. Mehta .. Chairman
Air Headquarters, New Delhi.
2. Shri D. Krishna Rao .. Member
Director, Aviation Services,
India Meteorological Department.
3. Shri H. B. Singh, .. Member-
Deputy Director, Air Safety, Secretary
Civil Aviation Department.

[F. No. Av. 15013/1/75—A]

S. E. KAMBARAM, Deputy Secy.

नई दिल्ली, 21 मई, 1975

का० आ० 1696.—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की वेदखची) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, नीचे दी गई गारण्टी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित अधिकारी को, सरकार के राजपत्रित अधिकारी की शक्ति के समतुल्य अधिकारी होने के नाते, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी भी नियुक्त करती है, जो उक्त गारण्टी के स्तम्भ (2) में की तत्संबंधी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों के प्रयोग की शक्ति अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम द्वारा —या के अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेगा और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

सारणी

अधिकारी का पदाभिधान सरकारी स्थानों के प्रयोग और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं

- | 1 | 2 |
|--|---|
| संयुक्त प्रभागीय प्रबंधक (वित्त-परियोजनाएं) भारत पर्यटन विकास निगम लिमिटेड, नई दिल्ली। | भारत पर्यटन विकास निगम लिमिटेड की सभी संपत्ति जो दिल्ली संघ राज्यक्षेत्र में स्थित है और जिसमें निम्नलिखित भी सम्मिलित है:—
ग्रैंडोफ़ होटल, 50-बी, चानकयपुरी, नई दिल्ली; जनपथ होटल, जनपथ, नई दिल्ली; |

1 2

हॉटल रणजीत, महाराजा रणजीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली; नोधी हॉटल, लिंक मार्ग, नई दिल्ली; अकबर होटल, चानकयपुरी, नई दिल्ली; कुतुब रेस्टोरेन्ट, कुतुब, दिल्ली; प्लॉट सं० 119, नरैना औद्योगिक रेस्टोरेन्ट, दिल्ली और कुतुब हॉटल, कुतुब मार्ग, नई दिल्ली।

[सं० ए० ए० 11011/17/74-ए० ए०]

एम० आर० शर्मा, अवसर सचिव

New Delhi, the 21st May, 1975.

S.O. 1696.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being an officer equivalent to the rank of a gazetted officer of Government, also to be estate officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on estate officers by or under the said Act, within the local limits of his jurisdiction in respect of the categories of public premises specified in the corresponding entries in column (2) of the said Table.

Table

Designation of officer	Categories of public premises and local limits of the jurisdiction
1	2
Joint Divisional Manager (Finance-Projects) India Tourism Development Corporation Limited, New Delhi	All properties belonging to the India Tourism Development Corporation Limited and situated in the Union Territory of Delhi, including the following:— Ashoka Hotel, 50-B, Chanakayapuri, New Delhi; Janpath Hotel, Janpath, New Delhi; Hotel Ranjit, Maharaja Ranjit Singh Road, New Delhi; Lodhi Hotel, Link Road, New Delhi; Akbar Hotel, Chanakayapuri, New Delhi; Qutab Restaurant, Qutab, Delhi; Plot No. 119, Naraina Industrial Estate, Delhi and Qutab Hotel, Qutab Road, New Delhi.

[No. H.S. 11011/17/74-H.L.]

M.R. SHARMA, Under Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बांटे)

नई दिल्ली, 22 मई, 1975

का० आ० 1697.—स्वायत्ती प्रादेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने वित्तीय विभाग के तेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-6-75 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-27/75-पी० ए० वी०]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T BOARD)

New Delhi, the 22nd May, 1975

S.O. 1697.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627, dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs hereby specifies the 16-6-75 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Chitorgarh Telephone Exchange, Rajasthan Circle.

[No. 5-27/75-PHB]

नई दिल्ली, 24 मई, 1975

क्र० आ 1698.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने जमूरियाहाट टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-6-75 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निर्णय किया है।

[सं० 5-19/75-पी० एच० बी०]

पी०सी० गुप्ता, सहायक महानिदेशक

New Delhi, the 24th May, 1975

S.O. 1698.—In pursuance of para (a) of Section III Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627, dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16-6-75 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Jamuriahat Telephone Exchange West Bengal Circle.

[No. 5-19/75-PHB]

P. C. GUPTA, Assistant Director General

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर, 1974

क्र० आ० 1699.—भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के आदेश संख्या एस० प्रो० 3792, तारीख 2 दिसम्बर, 1966 को प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियमों के उपबन्ध के अन्तर्गत जारी किये गये निर्देशों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई को सिफारिशों पर विचार करने के बाद, एतद्वारा, इसके साथ लगी अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्म को उसके सभी भारतीय भाषाओं के रूपान्तरण, सहित, जिसका विवरण उसके सामने उक्त सूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है।

अनुसूची

क्रम संख्या	फिल्म का नाम	लम्बाई 35 मि० मी०	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या है या शिक्षा सम्बन्धी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकुमेंट्री फिल्म है
-------------	--------------	-------------------	--------------	-----------------	--

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

1. भारतीय समाचार चित्र संख्या, 1360 (पूर्वी संस्करण)	289.00 मीटर	फिल्म प्रभाग, सरकार, 24-पैडर रोड, बम्बई-26	भारत समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (केवल पूर्वी प्रदेशों असम, बिहार, नागालैंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, मणिपुर, नेपा और त्रिपुरा में प्रदर्शित करने के लिये)।		
--	-------------	--	---	--	--

[क्र० सं० 28/2/74-एफ० पी०-परिशिष्ट 1950]

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

ORDERS

New Delhi, the 6th December, 1974

S.O. 1699.—In pursuance of the directions issued under the provision of each of the enactments specified in the First Schedule to the order of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting, No. S.O. 3792, dated, the 2nd December, 1966, the Central Government after considering the recommendations of the Film advisory Board, Bombay hereby approves the films specified in column 2 of the Schedule annexed hereto in all its/their language versions to be of the description specified against it/each in column 6 of the said Schedule.

SCHEDULE

S. No.	Title of the film	Length mm	Name of the Applicant	Name of the Producer	Whether a Scientific film or a film intended for educational purposes or a film dealing with news and current events or a documentary film
--------	-------------------	-----------	-----------------------	----------------------	--

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

1. I.N.R. No. 1360 (Eastern Edition)	289.00 Metres	Films Division, Govt. of India, 24-Peddar Road, Bombay-26.			Film dealing with news & current events (For release in Eastern States i.e. Assam, Bihar, Nagaland, Orissa, West-Bengal, Manipur, Nef and Tripura).
--------------------------------------	---------------	--	--	--	---

[F. No. 28/2/74-FP App. 1950]

का० प्रा० 1700.—भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के आदेश सं० एम० ओ० 3792, तारीख 2 दिसम्बर, 1966 को प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियमों के उपबन्ध के अन्तर्गत जारी किये गये निर्देशों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, फिल्म सप्ताहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद एतद्वारा, इसके साथ लगी अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्म को उसके सभी भारतीय भाषाओं के रूपान्तरों सहित जिसका विवरण उसके सामने उक्त अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है।

अनुसूची

क्रम फिल्म का लम्बाई 35 आधेदक निर्माता क्या वैज्ञानिक फिल्म है
सं० नाम मि० मी० का नाम का नाम या शिक्षा सम्बन्धी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाक्यूमेंट्री फिल्म है

1 2 3 4 5 6

1. भारतीय समा- 247.00 फिल्म प्रभाग भारत समाचार और सामयिक
चार चित्र संख्या मीटर सरकार, 24-पैडर घटनाओं की फिल्म
1359 (उत्तरी रोड, बम्बई-26 (केवल उत्तरी प्रदेशों—
संस्करण) हरियाणा, जम्मू और
कश्मीर, मध्य प्रदेश,
पंजाब, राजस्थान,
उत्तर प्रदेश, अंड-
मान व निकोबार
द्वीप समूह, दादरा
और नागर हवेली
प्रणामन, दिल्ली प्रशा-
सन और हिमाचल
प्रदेश और पांडीचेरी में
प्रदर्शित करने के लिये)।

[फा० सं० 28/2/74-एफ० पी० परिशिष्ट 1952]

S.O. 1700.—In pursuance of the directions issued under the provision of each of the enactments specified in the First Schedule, to the order of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. S.O. 3792, dated the 2nd December, 1966 the Central Government after considering the recommendations of the Film, Advisory Board, Bombay hereby approves the film specified in column 2 of the Schedule annexed hereto in all its/their language versions to be of the description specified against it/each in column 6 of the said schedule.

SCHEDULE

S. No.	Title of the film	Length 35 mm	Name of the Applicant	Name of the Producer	Whether a Scientific film or a film intended for educational purposes or a film dealing with news and current events or a documentary film
1	2	3	4	5	6
1.	I.N.R. No. 247.00 1359 (North-ern Edition)	Metres	Films Division, Government of India, 24-Peddar Road, Bombay-26.		Film dealing with news & current events (For release in Northern States viz. Harayana, J&K, Madhya Pradesh, Punjab, Rajasthan, U.P., Andaman & Nicobar Islands, Dadar and Nagar Haveli Admn., Delhi Administration, Himachal Pradesh & Pondicherry).

[F. No. 28/2/74-FP App. 1952]

नई दिल्ली, 16 मई, 1975

का० प्रा० 1701.—फिल्म सेंसर बोर्ड, कलकत्ता के स्थायी प्रादेशिक अधिकारी श्री ए० के० सरकार, 31 मार्च, 1975 के अवमान से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

[सं० 2/19/69-एफ० सी०]

New Delhi, the 16th May, 1975

S.O. 1701.—Shri A. K. Sarkar, permanent Regional Officer in the Board of Film Censors, Calcutta, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st March, 1975.

[No. 2/19/69-FC]

का० प्रा० 1702.—चलचित्र अधिनियम, 1952 की धारा 5 की उपधारा (2) के द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने भारतीय फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान, पूना में फिल्म निर्देशन के प्रोफेसर श्री धीरेष घोष को 3 अप्रैल, 1975 के अवमान से भगले आदेश तक, श्री ए० के० सरकार, जो सेवा-निवृत्त हो गए हैं, के स्थान पर केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, कलकत्ता के प्रादेशिक अधिकारी के रूप में स्थापनापत्र रूप से नियुक्त किया है।

[संख्या 2/33/74-एफ० सी०]

राष्ट्रपति के नाम में तथा उनके आदेश से
के० पी० के० नायर, अवसर सचिव

S.O. 1702.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 5 of the Cinematograph Act, 1952, the Central Government has been pleased to appoint Shri Dhiresh Ghosh, Professor of Film Direction, Film & Television Institute of India, Poona, to officiate as Regional Officer, Central Board of Film Censors, Calcutta vice Shri A. K. Sarkar,

retired, with effect from the afternoon of 3rd April, 1975, until further orders.

[No. 2/33/74-FC]

K. P. K. NAYAR, Under Secy.

धर्म मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1975

का.प्र.० 1703.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में भारतीय जीवन बीमा निगम, मुम्बई से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार का उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दिष्ट करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, मुम्बई को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दिष्ट करती है ।

अनुसूची

क्या भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबन्धतंत्र के लिए उन सभी कर्मचारियों को, जो दूर उपनगरों में निवास कर रहे थे अतः 8 मई, 1974 से 27 मई, 1974 तक की रेल हड़ताल की अवधि के दौरान अपने कर्तव्यों पर उपस्थित न हो सके, विशेष छुट्टी न देना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो वे किम अनुतोष के हकदार हैं ?

[फा० सं० एल० 17011/12/74-एल०प्रार०आई०]

MINISTRY OF LABOUR

ORDERS

New Delhi, the 9th April, 1975

S.O. 1703.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Life Insurance Corporation of India, Bombay and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Bombay, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the management of the Life Insurance Corporation of India is justified in denying special leave to all the employees who were residing in distant suburbs and hence could not attend their duties during the period of the Railway strike from the 8th May, 1974, to 27th May, 1974? If not, to what relief are they entitled

[File No. L. 17011/12/74/LR1]

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1975

का.प्र.० 1704.—यतः इससे उपावद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट औद्योगिक विवाद, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के समक्ष लम्बित है ;

और यतः, विवाद से सम्बन्ध कर्मचारियों ने वाद को जबलपुर से जयपुर स्थानान्तरित करने का अनुरोध किया है ;

और यतः प्रबन्धनत्व ने इस अनुरोध पर आशय नहीं किया है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार इस अनुरोध को सुविशेष गम्यती है ;

अतः, अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 11) की धारा 7-क और धारा 33-ख की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री उपदेश नारायण माथुर होंगे जिसका मुख्यालय जयपुर में होगा, और उक्त विवाद से सम्बन्ध कार्यवाहियों को केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर से वापस लेती है और उसे श्री उपदेश नारायण माथुर, पीठासीन अधिकारी, औद्योगिक अधिकरण जयपुर को उक्त विवाद को निपटाने के लिए इस निर्देश के साथ स्थानान्तरित करती है कि उक्त अधिकरण उस प्रक्रम से कार्यवाहियाँ आरम्भ करेगा जिस पर वे उते स्थानान्तरित की गई हैं और विधि के अनुसार उसका निपटान करेगा ।

अनुसूची

क्रम सं० अधिसूचना सं० और तारीख पक्षकारों के नाम

1. एल-12012/56/72-एल०प्रार० 3, पंजाब नेशनल बैंक और उनके तारीख 26 नवम्बर, 1974 कर्मकार

[सं० एल-12012/56/72-एल०प्रार० 3]

New Delhi, the 15th April, 1975

S.O. 1704.—Whereas an industrial dispute specified in the Schedule hereto annexed is pending before the Central Government Industrial Tribunal at Jabalpur;

And whereas the workmen concerned in the dispute have requested the Central Government for the transfer of the case from Jabalpur to Jaipur;

And, whereas the Management have not objected to this request;

And, whereas the Central Government considers the request as reasonable;

Now therefore in exercise of the powers conferred by Section 7A and sub-section (1) of Section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri Updesh Narain Mathur as the Presiding Officer with headquarters at Jaipur, withdraws the proceedings in relation to the said dispute from the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur and transfers the same to Shri Updesh Narain Mathur, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Jaipur, for the disposal of the said dispute, with direction that the said Tribunal shall proceed with the proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same according to law.

SCHEDULE

S. No.	Notification No & date	Name of the parties
1.	L—12012/56/72 —LR111, dated 26th Nov., 1974	Punjab National Bank and their workmen.

[No. L-12012/56/72/IR III]

का.प्र.० 1705.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में बैंक आफ इंडिया से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दिष्ट करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 11) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, दिल्ली को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या बैंक आफ इंडिया का प्रबन्धतंत्र के लिए श्री वेद प्रकाश, लिपिक को 11 अक्टूबर, 1973 से कार्य पर जाने की अनुज्ञा न देने में न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल० 12012/103/74-एल०आर० 3]

S.O. 1705.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Bank of India and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And Whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Delhi, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the management of the Bank of India was justified in not allowing Shri Ved Prakash, Clerk, to join duty with effect from the 11th October, 1973? If not, to what relief is said workman entitled?

[No. L-12012/103/74-LR.III]

का०आ० 1706.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद्व अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में स्टेट बैंक आफ इंडिया से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एच० आर० सोढी होंगे जिनका मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या स्टेट बैंक आफ इंडिया के प्रबन्धतंत्र की, सर्व श्री एस० एल० बतारा, लिपिक और आर० के० मांगव, प्रधान लिपिक को जालन्धर शाखा से त्रमशः पठानकोट और अजनाला शाखाओं में स्थानान्तरित करने की कार्यवाही, तंग करने का कार्य है? यदि ऐसा हो तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं?

[सं० एल०-12012/149/74-एल०आर०-3]

S.O. 1706.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

27 GI/75-5.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7 A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri H. R. Sodhi shall be the Presiding Officer, with head quarters at Chandigarh and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of State Bank of India in transferring Sarva Shri S. L. Batra, Clerk, and R. K. Magon, Head clerk, from Jullunder Branch to Pathankot and Ajnala branches respectively is an act of victimisation? If so, to what relief are the said workmen entitled?

[No. L. 12012/149/74/LR.III]

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1975

का०आ० 1707.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद्व अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में पंजाब नेशनल बैंक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्याय निर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, दिल्ली को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या पंजाब नेशनल बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, मेरठ के प्रबन्धतंत्र के लिए श्री गोविन्द राम रायजादा और श्री रामजीलाल वर्मा, लिपिकों को बैंक की अलीगढ़ रेलवे रोड शाखा से देहरादून बैंक में 10 जून, 1974 से स्थानान्तरित करना न्यायोचित है? यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल० 12012/91/74-एल०आर० 3]

New Delhi, the 19th April, 1975

S.O. 1707.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Punjab National Bank and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of 10 section of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947) the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal Delhi, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of the Punjab National Bank, Regional Office Meerut in transferring Shri Govind Ram Raizada and Shri Ramji Lal Verma, clerks from Aligarh Railway Road Branch of the bank to Ahrat Bazar Branch, Dehradun of the Bank with effect from the 10th June, 1974 is justified? If not to what relief are the said workmen entitled?

[No. L. 12012/91/74/LR.III]

का० आ० 1709.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में इलाहाबाद बैंक से सम्बद्ध
नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान
है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए
निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14)
की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा
7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, दिल्ली को
न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या इलाहाबाद बैंक लखनऊ ज़ोन के प्रबन्धतन्त्र की, श्री फूल चन्द
पालीवाल, लिपिक, आगरा नगर शाखा, को विशेष सहायक, के कांडर
में प्रोन्नति से स्थायी रूप से विवर्जित करने की कार्रवाई न्यायोचित है?
यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल० 12012/148/74/डी० 2/ए]

S.O. 1708.—Whereas the Central Government is of opi-
nion that an industrial dispute exists between the employers
in relation to the Allahabad Bank and their workmen in
respect of the matters specified in the Schedule hereto
annexed;

And whereas the Central Government considers it desir-
able to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by
clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Indus-
trial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Gov-
ernment hereby refers the said dispute for adjudication to
the Industrial Tribunal Delhi, constituted under section 7A
of the said Act.

SCHEDULE

Whether the management of Allahabad Bank, Luck-
now Zone is justified in permanently debarring
Shri Phool Chand Paliwal, clerk, Agra City Branch
from promotion to the cadre of Special Assistant?
If not to what relief is the said workman en-
titled?

[No. L. 12012/148/74/DII/A]

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1975

का० आ० 1709.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध
अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में पंजाब नेशनल बैंक से सम्बद्ध
नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए
निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14)
की धारा 7क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक
अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एच० आर०

सोही होंगे जिनका मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा और उक्त विवाद को उक्त
औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू के प्रबन्धतन्त्र की श्री रमेश चन्द्र
वशिष्ठ की सेवाओं को 2 फरवरी, 1974 से समाप्त करने की कार्रवाई
न्यायोचित है? यदि नहीं तो वह किस अनुतोष का हकदार है?

[संख्या एल-12012/104/74-एल० आर०-3]

New Delhi, the 23rd April, 1975

S.O. 1709.—Whereas the Central Government is of
opinion that an industrial dispute exists between the emp-
loyers in relation to the Punjab National Bank, and their
workmen in respect of the matter specified in the Schedule
hereto annexed;

And whereas, the Central Government considers it desir-
able to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by
section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10
of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Cen-
tral Government hereby constitutes and Industrial Tribunal
of which Shri H. R. Sodhi shall be the Presiding Officer,
with headquarters at Chandigarh and refers the said dispute
for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of the Punjab
National Bank, Jammu, in terminating the services of
Shri Ramesh Chand Vashisht with effect from the
2nd February, 1974 is justified? If not, to what
relief is he entitled?

[No. L. 12012/104/74-LR III]

का० आ० 1710.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध
अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में पंजाब नेशनल बैंक से सम्बद्ध
नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान
है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए
निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का
14) की धारा 7क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ)
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा एक
औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एच० आर०
सोही होंगे जिनका मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा और उक्त विवाद को उक्त
औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू के प्रबन्धतन्त्र की, श्री हुकम सिंह की
सेवाओं को, 9 फरवरी, 1974 से समाप्त करने की कार्यवाई न्यायोचित है
यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल-12012/105/74-एल० आर० 3]

ORDER

S.O. 1710.—Whereas the Central Government is of
opinion that an industrial dispute exists between the emp-
loyers in relation to the Punjab National Bank and their
workman in respect of the matter specified in the Schedule
hereto annexed;

And whereas, the Central Government considers it desirable
to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri H. R. Sodhi shall be Presiding Officer, with headquarters at Chandigarh and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

THE SCHEDULE

Whether the action of the management of Punjab National Bank, Jammu in terminating the service of Shri Hkam Singh with effect from the 9th February, 1974, is justified? If not to what relief is the workmen entitled?

[No. L. 12012/105/74/LR.III]

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1973

का० प्रा० 1711.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावृद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में पंजाब नेशनल बैंक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री के० एन० श्री वास्तवा होंगे जिनका मुख्यालय कानपुर में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या पंजाब नेशनल बैंक, हजरतगंज, लखनऊ के प्रबन्धतन्त्र को सर्वश्री ओ०पी० निगम और आई० डी० सूरी, विशेष सहायकों की, उनमें से दोनों के मामले में 23 फरवरी, 1974 से और फिर 23 सितम्बर, 1974 से उच्चकट्टर में स्थापना रूप में कार्य करने के अक्सर से विवजित करने की कार्यावाई न्यायोचित है? यदि नहीं तो वे किस अनुतोष के हकदार हैं?

[सं० एल० 12012/132/74-एल०आर०]

S.O. 1711.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Punjab National Bank and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri K. N. Srivastava shall be the Presiding Officer, with headquarters at Kanpur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

THE SCHEDULE

Whether the action of the management of the Punjab National Bank, Hazratganj Branch, Lucknow in debarring Sarvshri O. P. Nigam and I. D. Suri, Special Assistants from officiating chances in the higher cadre with effect from the 5th February, 1974 and again with effect from the 23rd September, 1974 in the case of both of them is justified? If not, to what relief are they entitled?

[No. L. 12012/132/74-LR.III]

का० प्रा० 1712.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावृद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में, सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया, अम्बाला खण्ड, से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एच० आर० सोडी होंगे जिनका मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया अम्बाला खण्ड प्रबन्ध तंत्र के लिए श्री वासुदेव, चपरासी को 15 मार्च, 1974 से वक्तरी के रूप में पदाभिहित न करना न्यायोचित है? यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

संख्या एल-12012/136/74-एल०आर०-3]

S.O. 1712.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Central Bank of India, Ambala Division and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri H. R. Sodhi shall be the Presiding Officer, with headquarters at Chandigarh and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

THE SCHEDULE

Is the management of Central Bank of India, Ambala Division, justified in not designating Shri Vas Dev, Peon as Daftry with effect from the 15th March, 1974? If not, to what relief is the workmen entitled?

[No. L. 12012/136/74/LR.III]

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1975

का० प्रा० 1713.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावृद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में बैंक आफ बम्बई से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम, की धारा 7-क के अन्तर्गत गठित औद्योगिक अधिकरण जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या बैंक आफ बड़ौदा के प्रबंधन की श्री एस० सी० वाडे, लिपिक, बैंक आफ बड़ौदा, धर्मपेठ शाखा, नागपुर की सेवाओं की 21 अगस्त, 1974 के कारबार के बंद होने के समय से समाप्त करने की कार्यवाई न्यायोचित है? यदि नहीं तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल० 12012/9/75-ड11/ए]

New Delhi, the 28th April, 1975

S.O. 1713.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Bank of Baroda and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted under section 7A of the said Act.

THE SCHEDULE

Whether the action of the management of the Bank of Baroda is justified in terminating the services of Shri S. C. Bagde, Clerk, Bank of Baroda, Dharam-peth Branch, Nagpur with effect from the close of business of 21st August, 1974? If not, to what relief is the said workmen entitled?

[No. L. 12012/9/75-DII/A]

आदेश

का० आ० 1714.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में स्टेट बैंक आफ बिकानेर और जयपुर से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री उपदेश नारायण सायुध होंगे जिनका मुख्यालय जयपुर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या स्टेट बैंक आफ बिकानेर और जयपुर, जयपुर के प्रबंधन की श्री एस० के० गौतम, लिपिक-एवं-रोकड़िया-एवं गोदाम-रक्षक को सेवानिवृत्त करने की कार्यवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल० 12012/54-72-एल०आर-3]

आर० कुंजीथापदम, अवसर सचिव

S.O. 1714.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the emp-

loyers in relation to the State Bank of Bikaner and Jaipur and their workman in respect of the major specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Updesh Narain Mathur shall be the Presiding Officer, with head quarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

THE SCHEDULE

Whether the action of the management of the State Bank of Bikaner and Jaipur, Jaipur in discharging Shri S. K. Gautam Clerk-cum-Cashier-cum-Godown-Keeper from service is justified? If not, to what relief is the said workman entitled

[No. L. 12012/54/72-LRIII]

R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1975

का० आ० 1715.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में उड़ीसा मिनरल्स डिवलपमेंट कम्पनी लिमिटेड की भद्रासाई खानों में ठेकेदार, मैसर्स यूनाइटेड कामशियल कन्सर्न्स, डाकधर रोड्डा बरौस्ता बाबिल, जिला के प्रोक्षार से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी लक्ष्मीधर मलिक होंगे, जिनका मुख्यालय भुवनेश्वर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या उड़ीसा मिनरल्स डिवलपमेंट कम्पनी लिमिटेड की भद्रासाई खानों में ठेकेदार, मैसर्स यूनाइटेड कामशियल कन्सर्न्स डाकधर रोड्डा बरौस्ता बाबिल, जिला के प्रोक्षार के प्रबंधन की श्री शंकर गुरुला भारी बाहुत बालक को 15 सितम्बर, 1973 से नियोजकों से मना करने की कार्यवाई न्यायोचित थी? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल०-26012/18/74-एल०आर० 4-रेस्क-4(बी)]

भूवेन्द्र नाथ, अनुभाग अधिकारी (विशेष)

ORDER

New Delhi, the 16th April, 1975

S.O. 1715.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Messrs United Commercial Concern, Contractors at Bhadrasai Mines of Orissa Minerals Development Company Limited Post Office Roida, Via Barbil, District Keonjhar and their workman in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Laxmidhar Mullick shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bhubaneswar and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

THE SCHEDULE

Whether the action of the management of Messrs United Commercial Concern, Contractors at Bhadrasai Mines of Orissa Minerals Development Company Limited, Post Office Roida, Via-Barbil, District Koonjhar in refusing employment to Shri Shankar Shukla, Heavy Vehicle Driver with effect from the 15th September, 1973, was justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L-26012/18/74-LR-IV-Desk-IV (B)]

New Delhi, the 17th May, 1975

S.O. 1716.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Rare Earths Limited, Minerals Division, Quilon and their workmen, which was received by the Central Government on the 13th May, 1975.

BEFORE THIRU T. PALANIAPPAN, B.A. B.L.,

PRESIDING OFFICER,

INDUSTRIAL TRIBUNAL, MADRAS

(Constituted by the Central Government)

Wednesday the 30th day of April, 1975

Industrial Dispute No. 15 of 1975

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the management of Indian Rare Earths Limited, Minerals Division, Quilon).

BETWEEN

The workman represented by the General Secretary, Kerala Mineral Workers Congress, Chavera, Post Office Chavera, District Quilon.

AND

The Chief Administrative Officer, Indian Rare Earths Limited, Minerals Division, P.B.N. 38 Beach Road, Quilon, District Quilon.

REFERENCE:

Order No. L-29012/37/73-LR. IV-D.O. 3(B), dated 22-2-1975 of the Ministry of Labour, Government of India.

This dispute coming on this day for final disposal upon perusing the reference and all other material papers on record and a memorandum for not pressing the dispute having been received from the Union and recording the same, this Tribunal made the following.

AWARD

The Government of India, in their order No. L-29012/37/73-LR-IV-D.O.3(B) dated 22-2-1975, have referred a dispute between the employers in relation to the Management of Indian Rare Earths Limited, Minerals Division, Quilon and their workmen in respect of the matters specified below:—

“Whether the management of the Indian Rare Earths Limited, Minerals Division, Quilon was justified in terminating the services of Shri Vidyadharan, when the T.B. Officer, Quilon recommended treatment and rest for him and in denying employment to him, when he reported for duty after he was

treated and cured from the disease with medical certificate of fitness? If not, to what relief is Shri Vidyadharan entitled and from what date?”

2. As the Union representing the workers was not present on 10-4-1975, fresh summons was ordered to be issued for 30-4-1975. In the meanwhile, a memorandum was received by post from the General Secretary of the Union stating that as a result of discussions between the parties, the dispute has been fully and finally settled by reinstatement the employee as a fresh employee and in view of the statement, he prayed this Tribunal to pass an award that the dispute has been settled out of Court.

3. In view of the settlement arrived at between parties, I pass an award holding that the employee is not entitled to any relief in this reference. No costs.

Dated this 30th day of April, 1975.

T. Palaniappa, Industrial Tribunal
[No. L-29012/37/73-LR-IV/D-IV (B)]
BHUPENDRA NATH, Section Officer (Spl.)

प्रवेश

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1975

का० प्रा० 1717.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मेसर्स इंडियन आयर्न एण्ड स्टील कंपनी लिमिटेड की चासनाला कोलियरी, डाकघर, पाथेरडिह, जिला धनबाद के प्रबंधतंत्र से संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, संख्या 2, धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

1. क्या मेसर्स इंडियन आयर्न एण्ड स्टील कंपनी लिमिटेड की चासनाला कोलियरी, डाकघर पाथेरडिह, जिला धनबाद के प्रबंधतंत्र का, रविवार, जो सामान्य साप्ताहिक विश्राम दिवस है, की किए गए काम के लिए मजदूरी की प्रसामान्य दर की 2½ गुनी अतिरिक्त मजदूरी का भुगतान न करना या मजदूरी की प्रसामान्य दर की 1½ गुनी अतिरिक्त मजदूरी एवं एक प्रतिपूरक विश्राम दिवस न देना न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार है?

2. क्या मेसर्स इंडियन आयर्न एण्ड स्टील कंपनी लिमिटेड की चासनाला कोलियरी, डाकघर पाथेरडिह, जिला धनबाद के प्रबंधतंत्र का, सर्वश्री (i) डी० डी० सिंह, प्रेषण लिपिक (ii) के० के० चटर्जी, रजिस्टर पाल (iii) महावीर महतो, तोलन गुल लिपिक और (iv) आर० के० राजत, चौकीदार को 14-10-1975 से स्थानान्तरित करना न्यायोचित है? यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार है?

[सं० एल० 2012/179/74-एल०आर० 2/डी० 3ए]

एल० के० नारायण, अनुभाग अधिकारी (विशेष)

ORDER

New Delhi, the 19th April, 1975

S.O. 1717.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Chasnala Colliery of Messrs Indian Iron and Steel Company Limited, Post Office Patherdih, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

- Whether the management of Chasnala Colliery of Messrs Indian Iron and Steel Company Limited, Post Office Patherdih, District Dhanbad, are justified in not making payment of overtime wages at 2-1/2 times normal rate of wages or 1-1/2 times normal rate of wages plus a compensatory day of rest for work done on Sunday, the common weekly rest day? If not, to what relief are the workmen entitled to?
- Whether the management of Chasnala Colliery of Messrs Indian Iron and Steel Company Limited, Post Office Patherdih, District Dhanbad, are justified in transferring Sarvashri (i) D. D. Singh, Despatch Clerk, (ii) K.K. Chatterjee, Register Keeper, (iii) Mahabir Mahto, Weigh Bridge Clerk and (iv) R. K. Raut, Watchman, from 14-10-1974? If not to what relief are the workmen entitled?

[No. L-2012/179/74-LRII/DIII A.]

New Delhi, the 16th May, 1975

S.O. 1718.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of Sijua Transport Co., Contractor, Bhowra Colliery and their workmen which was received by the Central Government on the 14th May, 1975.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD PRESENT:

Shri K. K. Sarkar, Presiding Officer.
Reference No. 10 of 1975

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act., 1947

PARTIES:

Employers in relation to the management of Sijua Transport Company, Contractor, Bhowra Colliery, of M/s. Bharat Coking Coal Limited, P.O. Bhowra, Dist. Dhanbad.

AND

Their workmen.

APPEARANCES:

On behalf of the employer: Shri B. Lal, Advocate.

On behalf of the workmen: Shri J. D. Lal, Advocate.

State: Bihar.

Industry: Coal.

Dhanbad, 6th May, 1975

AWARD

The Government of India Ministry of Labour, being of opinion that an Industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Sijua Transport Company, Contractor, Bhowra Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited, P.O. Bhowra, Dist. Dhanbad and their workmen, by their Order No. L-2012/97/74-I.R. II dated 7-2-1975 referred the same to this Tribunal under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act for adjudication on the issue mentioned in the schedule below:

SCHEDULE

"Whether the management of M/s. Sijua Transport Company, Contractor, Bhowra Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., P.O. Bhowra, Dist. Dhanbad are justified in stopping the work of S/Shri Moti Turi, Sukhdeo Paneri, Ram Prasad Majhi, Ruplal Majhi, Basdeo Bhuia and Sita Ram Turi, Dumpers? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"

1. On receipt of the Order of reference notices were duly served on the parties. Written statement was filed from the side of the employers but no written statement was filed from the side of the workmen. The case proceeded along its course. On 5-5-1975 when the Reference was fixed by this Tribunal the authorised representative of the workmen Shri J. D. Lal, Advocate submits that he had no instruction. The authorised representative of the employers nor anybody on behalf of the employers were present nor any step was taken by them. In view of the absence of the parties without any cause being shown I am inclined to think that the parties are not interested to proceed with the reference as no Industrial dispute exists between them any more.

2. Accordingly I pass a 'No dispute' Award in this case.

K. K. SARKAR, Presiding Officer
Central Govt. Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad.

[No. L. 2012/97/74/LRII/DIIIA]
L. K. NARAYANAN, Section Officer (Spl.)

नई दिल्ली, 16 मई, 1975

का०प्रा० 1719.--संविद श्रमिक (विनियमन और उत्पादन) अधिनियम, 1970 (1970 का 37) की धारा 28 की उप-धारा (1) द्वारा प्रबन्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के श्रम और पुनर्वासि मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 3063, तारीख 21 जुलाई, 1971 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में स्तम्भ 1 में निम्नलिखित क्रम संख्याओं और स्तम्भ 2 में उनसे संबंधित प्रविष्टियों का खोप किया जाएगा, अर्थात् :-

"1, 4, 7, 10, 13, 18, 22, 26, 30, 34 और 38"

[सं० एस० 16011/13/73-एल०डब्ल्यू० आई० (i)]

पी० पी० कान्तन, अवसर सचिव

New Delhi, the 16th May, 1975

S.O. 1719.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 28 of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 (37 of 1970), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3063 dated the 21st July, 1971, namely:—

In the Schedule to the said notification the following serial numbers in column 1 and the entries relating thereto in column 2 shall be omitted, namely:—

"1, 4, 7, 10, 13, 18, 22, 26, 30, 34 and 38."

[No. S. 16011/13/73-LWI(I)]

P. P. KANTHAN, Under Secy.

New Delhi, the 20th May, 1975

S.O. 1720.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras, in the industrial dispute between

the employers in relation to the management of the Associated Cement Companies, Limited, Madukkarai and their workmen, which was received by the Central Government on the 13th May, 1975.

BEFORE THIRU T. PALANIAPPAN, B.A., B.L., PRESID-
ING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL, MADRAS

(Constituted by the Central Government)
Monday the 28th day of April, 1975

Industrial Dispute No. 35 of 1970

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the management of the Associated Cement Companies Ltd., Madukkarai P. O. Coimbatore District)

BETWEEN

The workmen, represented by The Secretary, A.C.C.
National Staff Union, 860, Big Bazar Street, Coim-
batore-1.

AND

The Manager, Associated Cement Companies Ltd.,
Madukkarai Cement Works, Madukkarai P.O.,
Coimbatore District.

REFERENCE :

Order No. 12(14)/70-LR-IV, dated 22-5-70 of the Minis-
try of Labour, Employment and Rehabilitation, De-
partment of Labour and Employment, Government of
India, New Delhi.

This dispute after having been remanded by the High Court in its order dated 18-4-1974 in W.P. No. 3488/71, coming on this day for final disposal, in the presence of Thiru K. C. Ramaswamy, President of the Union and of Thiru T. S. Gopalan of King and Partridge, Advocates for the Management, upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and the parties having filed a joint memorandum of settle-
ment and recording the same, this Tribunal made the fol-
lowing award.

AWARD

This is an industrial dispute between the workmen and the management of the Associated Cement Companies Limited, Madukkarai, referred by the Government of India for adjudication by this Tribunal, in Order No. 12(4)/70-LR-IV dated 22-5-1970 of the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employ-
ment) on the following issues:

"Whether Messrs Associated Cement Companies Limited, Madukkarai are justified in designating Shri V. Vital Das in charge of the magazine and Shri K. Velu working in the time office as Tally Checkers and paying them the wages recommended for Tally Checkers only by the Cement Wage Board? If not, what should be their designation and under what grade of pay should they be fixed?

2. In this dispute, my learned predecessor passed an award on 24-7-1971. The Management took the matter on Writ to the High Court and got the award stayed (High Court's order dated 3-12-1971 in W.M.P. No. 5413/71 in W.P. No. 3488/71). Then the High Court allowed the Writ Petition quashing the award so far as it relates to K. Velu by its order dated 18-4-1974 in W.P. No. 3488 of 1971.

3. After the dispute was remanded by the High Court, the dispute was heard and at that stage, the learned counsel for the Management prayed for time to consult the Head Office of the Management at Bombay for settling the dispute.

4. Today, when the dispute was taken up, the parties filed a joint memorandum of settlement to pass an award in terms thereof. Both the parties admitted the settlement.

5. On a reading of the terms of the settlement I find that the settlement is fair and just. Hence it is recorded.

6. An award is passed in terms of the settlement, which will form an annexure to this award. No costs.

Dated this, 28th day of April, 1975.

Sd/-

T. PALANIAPPAN, Industrial Tribunal.

WITNESS EXAMINED :

Before Remand

For workmen :

W.W. 1—Thiru T. T. Vittal Das.

W.W. 2—Thiru V. Velu.

For management :

M.W. 1—Thiru T. S. Ramachandran.

After Remand

For both sides : Nil.

DOCUMENTS MARKED

Before Remand

For workmen :

Ex. W-1/28-2-65—Letter by the Management to W.W. 1 authorising him to be in-charge of Explosive Magazine, Madukkarai Limestone Mines (copy).

Ex. W-2/28-2-70—Letter by the Union to one Thiru Moinudeen, asking particulars about the nature of job, grade and wages for a worker in charge of Explosive Magazine Section (copy).

Ex. W-3/7-3-70—Reply letter by one Thiru I. M. Moinudeen to Ex. W-2 (copy).

Ex. W-4/13-4-70—Conciliation failure report (copy).

Ex. W-5—List of duties of W.W. 1.

Ex. W-6—List of Registers and 11 specimen copies of registers (one bunch).

Ex. W-7—Specimen copies of forms and Registers (6 Nos.)

Ex. W-8—Form showing number of breakers, loaders and Muttu workers in North Section.

Ex. W-9—List of duties of W.W. 2.

Ex. W-10—Gist of recommendations of the II Wage Board and the resolution of the Government of India on the recommendations.

For Management :

Ex. M-1—Blasting powder manufacturing account book for the period from 2-12-1968 to 23-4-1970.

Ex. M-2—Attendance Register for the period from December, 1968 to December, 1969.

Ex. M-3—Paper socket Account Book for the period from January, 1970 to June, 1970.

Ex. M-3(a)—Entry at page 92 in Ex. M-2.

Ex. M-4—Charcoal Powder Account Book for the period from January, 1969 to June 1970.

Ex. M-4(a)—Entry at page 18 in Ex. M-4.

Ex. M-5—Explosives Issue and Return Register for the period from 1-9-1969 to 23-11-1969.

Ex. M-6—Explosives Issue and Return Register for the period from January 1969 to December, 1969.

Ex. M-7—Register for explosives (Ledger) for the period from January, 1969 to December, 1969.

Ex. M-8—Gun powder manufacturing Account Register for the period from January, 1969.

Ex. M-9—Explosives local purchase requisition book for the period from 6-6-1969 to 4-8-1970.

- Ex. M-10—Explosives monthly Issue and Requisition Book for the period from 31-7-68 to 21-7-1970.
- Ex. M-11—Muster roll for the month of July, 1969 (Register).
- Ex. M-12—Canteen coupon Issue Register for the period from 11-4-69 to 21-7-69.
- Ex. M-13—Coupon Recovery Register for the period from May, 1969 to September, 1969.
- Ex. M-14/26-8-64—Letter authorising persons to manufacture Gunpowder.
- Ex. M-15/28-2-65—Letter of authorisation from the Management to W.W. 1.
- Ex. M-16/14-10-69—Letter of authorisation to one Thiru A. C. Basak by the quarry Manager.
- Ex. M-17/2-1-70—Local order No. II/102 issued by the Management.
- Ex. M-18/10-6-69—Inspection reports (explosives accounts) 14-7-69.
- Ex. M-19—Quarterly returns (Explosives) for the quarter ended March, 1969 and December, 1969.
- Ex. M-20—Statements showing the receipt and consumption of explosives for the quarter ending 31-3-69 and for the months of October, 1968, February, 1969, January, 1969, March, 1969, April, 1969, May, 1969 and August, 1969.
- Ex. M-21—Demands of the workers (copy).
- Ex. M-22/11-2-70—Conciliation Failure Report submitted to the Government by the Labour Officer-III, Coimbatore.
- Ex. M-23/27-4-70—Government order in G. O. (Rt.) No. 828, dated 27-4-70 of the Labour Department, Government of Tamil Nadu.
- Ex. M-24/22-6-70—Letter from Chettined Cement Corporation Ltd., to the Management.
- Ex. M-25/30-6-70—Letter from Salem Magnesite Private Ltd., to the Management furnishing particulars about Magazine in-charge.
- Ex. M-26/23-6-70—Letter from India Cements Ltd., to the Management.
- Ex. M-27/10-7-70—Letter from Dalmia Cement (Bharat) Ltd., to the Management about the person in-charge of Magazine.
- Ex. M-28—Leave applications of Pachiammal and Nangarmal.
- Ex. M-29—Time cards of Nanjammal and Pachiammal for the month of July, 1969.
- Ex. M-30/17-6-70—Order of promotion issued to one Thiru V. Shriekshan, Time-Keeper.
- Ex. M-31—Specimen slip issued by Time-Keeper to the Section-in-charge regarding leave taken by workers.
- Ex. M-32—Attendance sheets sent by the Section to Tally Checker.
- Ex. M-33—Monthly return (Form L) for the month of July, 1969 and Annual return (Form H-7) for the year 1968.
- Ex. M-34—Register of wages of the Piece-rated Breakers for the month of July, 1969 (sheets).
- Ex. M-35—Breakers Register of work done for the months of May and July, 1969.
- Ex. M-36—List of work done by Quarry Time-keepers.
- Ex. M-37—Standard list of occupations in Cement Industry.
- Ex. M-38—Register showing the category of explosives.
- Ex. M-39—Duties of W.W. 1 at present.

After Remand: Nil.

COURT EXHIBITS:

Before Remand

C-1—List of duties done by W.W. 2.

C-2—Report of the 2nd Wage Board for the Cement Industry.

C-3—Report of the 1st Wage Board for the Cement Industry.

After Remand: Nil.

(Sd.) T. PACANIAPPAN, Industrial Tribunal.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL, MADRAS

I.D. No. 35 of 1970

IN THE MATTER OF AN INDUSTRIAL DISPUTE BETWEEN THE WORKMEN AND THE MANAGEMENT OF THE ASSOCIATED CEMENT COMPANIES LTD., MADUKKARAI

JOINT MEMORANDUM OF SETTLEMENT:

With regard to the issue referred to this Hon'ble Tribunal, the parties have had direct negotiations as a result of which the following Agreement had been reached:

TERMS OF AGREEMENT:

It is agreed that one of the workmen concerned in the dispute Sri K. Velu, will be placed in Wage Board Grade I—(Rs. 82-5-137-EB-6-167) as recommended by the Second Central Wage Board for Cement Industry and his basic salary will be fixed at Rs. 127/- in the aforesaid Grade with effect from 13-2-1969. He would draw his increments for the subsequent years as per Grade I. The arrears of the difference to basic salary and D.A. less P.F. between which is due as per Grade I and what was actually paid to him for the period 13-2-69 to 31-3-1975 will be paid in one lump sum ad hoc amount.

The workmen agree that Clause 1 of this Settlement shall be in full and final settlement of their claims in the dispute.

The parties pray for an Award in terms of this Settlement.

Dated at Coimbatore this 28th day of April 1975.

(Sd) 28-4-75.

WORKMEN OF ACC LTD.

REPRESENTED BY PRESIDENT

OF ACC STAFF UNION—MADUKKARAI.

WITNESS:

(Sd).....

Secretary.

FOR THE ASSOCIATED CEMENT COS. LTD.
(Sd)

Ag. GEN. MANAGER

MADUKKARAI CEMENT WORKS

WITNESS:

(Sd.)

ADMN. OFFICER.

ACC. Ltd.

NOTE: Parties are directed to take return of their document/s within six months from the date of the Award.

[No. 12/14/70-LRIV/D.O. 3B]
S. H. S. IYER, Section Officer (Spl.)

नई दिल्ली, 21 मई, 1975

क्रा० आ० 1721.—यतः केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि कोयला उद्योग, जो कि औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की पहली अनुसूची में निविष्ट है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए एक लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाना है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ब) के उप-खण्ड (vi) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छः मास की अवधि के लिए एक लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[फा० सं० एस-11025/28/74-एल०आर०-1]

प्रार० पी० नरूला, प्रवर सचिव

New Delhi, the 21st May, 1975

S.O. 1721.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the coal industry which is specified in the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (b) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[F. No. S. 11025/28/74-LR. I]

R. P. NARULA, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 मई, 1975

क्रा० आ० 1722.—कर्मचारी विषय निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सर्वश्री विजय कृष्ण भट्टाचारजी, समर शोस मोहन लाल बनर्जी, रजत राय चौधरी, सुबोध चन्द्र दत्त, सुबोध कुमार, अनिल कुमार वसु, निगाहली मन्डल नृनेन्द्र चन्द्रपाल और श्रीमती अर्चना राय को, उक्त अधिनियम, स्कीम तथा उसके अधीन विरचित कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनार्थ केन्द्रीय सरकार के या उसके नियन्त्रणाधीन स्थापन के सम्बन्ध में या रेल कम्पनी, महा पत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियन्त्रित उद्योग के सम्बन्ध में या किसी ऐसे स्थापन के सम्बन्ध में जिसकी एक से अधिक राज्यों में विभाग या शाखाएँ हों, सम्पूर्ण पश्चिमी बंगाल राज्य तथा भ्रष्टमान और निकोबार संघ राज्यक्षेत्र के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[मं० क-12016(3)/75 पी०एफ०-1]

New Delhi, the 22nd May, 1975

S.O. 1722.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Sarvashri Bijoy Krishna Bhattacharjee, Samar Bose, Mohanlal Bonnerjee, Rajat Roy Choudhury, Subol Chandra Dutta, Subodh Kumar Roy, Anil Kumar Basu, Nishpati Mendal, Nripandra Chandra Paul and Smt. Archana Roy to be Inspectors for the whole of the State of West Bengal and for the Union Territory of the Andaman and Nicobar Islands for the purposes of the said Act, the Scheme and the Family Pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016(3)/75-P.F.I.]

नई दिल्ली, 23 मई, 1975

क्रा० आ० 1723.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स डी० वी० एन० एस्टेट चोककड, डाकघर, बरास्ता पोकोत्तुपदम, तालुक एर्नाद, जिला, मालापुरम नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी विषय निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 की जुलाई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मं० एस-35019(169)/74-पी०एफ० 2]

प्रसन्न चन्द्रा, प्रवर सचिव

New Delhi, the 23rd May, 1975

S.O. 1723.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. D.V.N. Estate, Chokkad P.O. Via Pookkottupadam, Ernad Taluk, Malappuram District have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1974.

[No. S-35019/169/74-PF.II]

PARSAN CHANDRA, Under Secy.

